শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 262 | गुवाहाटी | शनिवार, 26 अप्रैल, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

यह समय सरकार के साथ खड़े होने का है पेज 2
डॉ. शर्मा और दिलीप सैकिया पंचायत चुनाव संकल्प पत्र कल करेंगे जारी पेज 3
स्वदेश लौटने के लिए अटारी बॉर्डर पर पाकिस्तानी नागरिकों का हंगामा पेज 5
मैड्रिड ओपन : स्वियातेक ने मियामी की हार का लिया बदला, एलेक्स ईला... पेज 7

डरा पाकिस्तान ने कबूला सच, रक्षामंत्री ने कहा–

30 सालों से आतंकियों को दे रहे पनाह, अब भुगत रहे हैं अंजाम

इस्लामाबाद। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। इसके बाद पाकिस्तान में घबराहट साफ दिखाई दे रही है। खुद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक इंटरव्यू में कबूल किया कि उनका देश पिछले 30 सालों से आतंकवाद को पनाह देता रहा है। हालांकि ख्वाजा आसिफ ने इस गलती की पूरी जिम्मेदारी खुद नहीं ली, बल्कि अमेरिका और ब्रिटेन जैसे पश्चिमी देशों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने यह सब इन देशों के कहने पर किया था और अब इसका नुकसान भुगत रहा है। भारत तो पहले से ही दुनिया को यह बताता रहा है कि पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देता है। अब खुद पाकिस्तान के मंत्री ने ये बात मान ली है, जिससे भारत के दावे और मजबूत हो गए हैं। ख्वाजा आसिफ ने यह भी कहा कि पाकिस्तान को इस गलती के लिए दोष नहीं देना चाहिए, क्योंकि उसने तो सिर्फ दूसरों की रणनीति के हिसाब से काम किया था। लेकिन उनके इस बयान से पाकिस्तान की जनता नाराज है और इसे शर्मनाक बता रही है। पहलगाम हमले की जिम्मेदारी द *रेजिस्टेंस फ्रंट* नाम के आतंकी संगठन ने ली है, जो हाफिज सईद के लश्कर–ए–तैयबा से जुड़ा हुआ है। इस हमले में पाकिस्तान का हाथ सामने आने के बाद भारत ने कड़े कदम उठाए हैं। भारत ने पाकिस्तान के साथ कई राजनयिक रिश्ते तोड़ दिए हैं। भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद्द कर दिया गया है और उन्हें वापस भेजने को कहा गया है। साथ ही सिंधु नदी संधि को भी फिलहाल रोक दिया गया है। इन सख्त फैसलों से पाकिस्तान बौखला गया है।

पहलगाम हमले पर फूटा तुलसी गबार्ड का गुस्सा, कहा–

आतंकियों को चुन–चुनकर मारे भारत, हम साथ देंगे

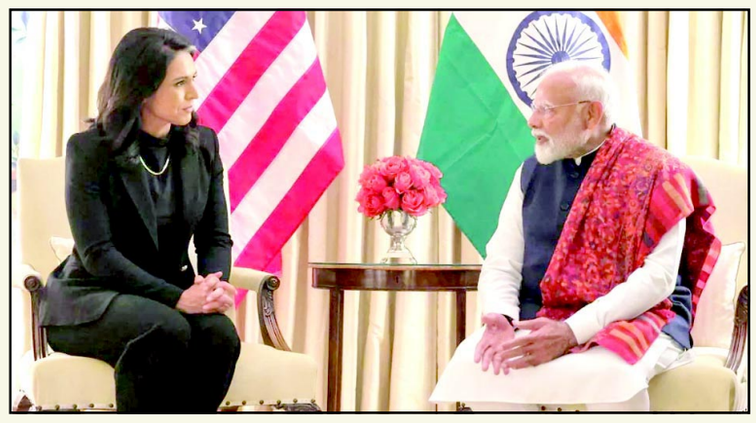

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले पर अमेरिकी सहित ज्यादातर देशों ने चिंता जाहिर की है। दुनिया के ज्यादातर देशों ने इस हमले के बाद भारत के प्रति सहानुभूति जाहिर की। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने पहलगाम हमले की निंदा करते हुए भारत की मदद करने की बात कही है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हम पहलगाम में 26 हिंदुओं को निशाना बनाकर किए गए भीषण इस्लामी आतंकवादी हमले के खिलाफ भारत के साथ एकजुटता से खड़े हैं। उन्होंने आगे कहा कि मेरी प्रार्थनाएं और गहरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों

को खो दिया है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के सभी लोगों के साथ हैं। हम आपके साथ हैं और इस जघन्य हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को पकड़ने में आपका समर्थन करते हैं। बता दें कि दुनिया के ज्यादातर देशों ने इस घटना पर चिंता जाहिर की है। कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने पीएम मोदी के साथ फोन पर बातचीत की और हमले पर चिंता जाहिर की। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने भी शुक्रवार को पहलगाम आतंकी हमले पर को *वीभत्स* घटना करार दिया है। स्टारमर ने ब्रिटिश लोगों की ओर से अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और दोनों नेताओं ने संपर्क में –शेष पृष्ठ दो पर

पीएम आज रोजगार मेले में 51 हजार से अधिक युवाओं को देंगे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त 51,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। इस अवसर पर वे उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता के अनुरूप 15वां रोजगार मेला देशभर में 47 स्थानों पर –शेष पृष्ठ दो पर

पानी की एक भी बूंद पाकिस्तान नहीं जाएगी : केंद्रीय जल शक्ति मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र ने भारतीय नदियों का पानी पाकिस्तान जाने से रोकने के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया है, जो केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ एक अहम बैठक के बाद तैयार हुआ। केंद्रीय मंत्री ने यह भी बताया कि तत्काल कदम उठाए जा रहे हैं, जिसमें नदियों की गाद निकालने जैसे उपाय शामिल हैं। पाटिल ने मीडिया से बातचीत में कहा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक में एक रोडमैप तैयार किया गया। बैठक में तीन विकल्पों पर चर्चा हुई। सरकार अल्पकालिक, मध्यमकालिक और दीर्घकालिक उपायों पर काम कर रही है, ताकि पाकिस्तान को एक बूंद भी पानी न मिले। जल्द ही नदियों की गाद निकाली जाएगी ताकि पानी रोका जा सके और उसे मोड़ा जा सके। यह कदम पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद बढ़ते तनाव के बीच उठाया गया है। इसी बीच, सिंधु जल संधि पर अपनी कड़ी असहमति जताते हुए जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार –शेष पृष्ठ दो पर

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पूरा विपक्ष केंद्र के साथ : राहुल गांधी

श्रीनगर (हि.स.)। कांग्रेस और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि पहलगाम में हुई आतंकी घटना के जवाब में पूरा विपक्ष सरकार के साथ मजबूती से खड़ा है। इस घटना में दो दर्जन से ज्यादा लोग मारे गए और कई घायल हो गए। जेकेपीसीसी अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा और वरिष्ठ कांग्रेस नेता गुलाम अहमद मीर के साथ श्रीनगर में मीडिया को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि कल हमारी सरकार के साथ बैठक हुई थी। विपक्ष ने इस हमले की निंदा की और सरकार की हर कार्रवाई को पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया। आज सुबह श्रीनगर पहुंचे गांधी ने पीड़ितों के साथ एकजुटता व्यक्त की और कहा कि हमले के पीछे समाज को विभाजित –शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

कोर्ट ने अमीनुल इस्लाम को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

नगांव। असम के ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के विधायक अमीनुल इस्लाम को शुक्रवार को नगांव जिले की एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उन्हें चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पहलगाम आतंकी हमले पर टिप्पणी को अमीनुल इस्लाम को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया था। विधायक ने दावा किया था कि पहलगाम में आतंकी हमला केंद्र सरकार की साजिश है। हालांकि, उनकी पार्टी के प्रमुख बदरूद्दीन अजमल ने इस्लाम के बयान के खुद को –शेष पृष्ठ दो पर

पहलगाम आतंकी हमला : समर्थन में पोस्ट करने पर असम से छह गिरफ्तार

पाकिस्तान के रक्षकों को बर्दाश्त नहीं करेंगे : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले छह लोगों को असम पुलिस ने अलग–अलग जिलों से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पाकिस्तान समर्थक प्रचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई है। गिरफ्तार किए गए लोग हैलाकांदी, कछार, मोरीगांव, नगांव और शिवसागर जिलों से हैं। पुलिस इन पर आतंकी हमले के संदर्भ में पाकिस्तान का समर्थन या सहानुभूति जताने का आरोप लगा रही है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मोहम्मद जबीर हुसैन (हैलाकांदी), मोहम्मद एके बहाउद्दीन और मोहम्मद जावेद मजूमदार (सिलचर), मोहम्मद महाहर मियां उर्फ मोहम्मद मुझिहिरुल इस्लाम (मोरीगांव), मोहम्मद अमीनुल इस्लाम (नगांव) तथा मोहम्मद साहिल अली (शिवसागर) के रूप में हुई है। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कड़ा संदेश देते हुए कहा कि असम में कोई भी व्यक्ति जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से पाकिस्तान का समर्थन करेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान जारी रहेगा और सोशल मीडिया की निगरानी तथा डिजिटल फॉरेंसिक की मदद से और भी लोगों की गिरफ्तारी संभव है। उधर मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर एक पोस्ट के माध्यम –शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

एक राजा की ताकत उसकी शक्तिशाली भुजाओं में होती है। ब्राह्मण की ताकत उसके आध्यात्मिक ज्ञान में और एक औरत की ताकत उसकी खूबसूरती, यौवन और मधुर वाणी में होती है।

– आचार्य चाणक्य

संदिग्ध खच्चर वाला अरेस्ट, महिला बोली–

35 बंदूक और प्लान–बी की भी कह रहा था बात, धर्म भी पूछा

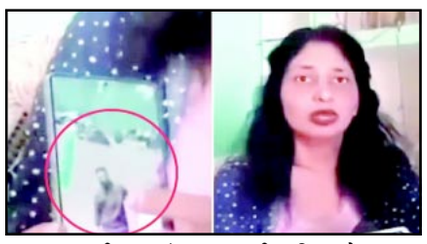

जम्मू। जम्मू–कश्मीर के गांदरबल में सुरक्षाबलों ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो का संज्ञान लेते हुए तत्काल कार्रवाई की। वीडियो में एक महिला पर्यटक ने दावा किया था कि एक व्यक्ति ने उससे उसके धर्म के बारे में सवाल किया था। साथ ही 35 बंदूक भेजने और प्लान बी जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए उसे सुना था। जांच के बाद गांदरबल पुलिस ने संदिग्ध की पहचान की और उसे पकड़ लिया है। उसकी पहचान अयाज अहमद जंगल के रूप में हुई। वह गांदरबल के गोहिपोरा रायजान का रहने वाला है। वह सोनमर्ग के थजवास ग्लेशियर में खच्चर सेवा देता है। संदिग्ध को देखने वाली महिला ने बताया कि हम लोग 13 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर गए थे। हम लोगों ने जम्मू–कश्मीर का 10 दिन का ट्रिप बनाया था। इस –शेष पृष्ठ दो पर

वैश्विक खतरे की याद दिलाता है पहलगाम हमला : उपराष्ट्रपति

चेन्नई (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जम्मू–कश्मीर के पहलगाम के आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह आतंकवाद के वैश्विक खतरे की याद दिलाता है। तमिलनाडु के उधगमंडलम में दो दिवसीय कुलपति सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में शुक्रवार को धनखड़ ने इस खतरे से निपटने के लिए मानवता के एकजुट होने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि और सम्मेलन –शेष पृष्ठ दो पर

केंद्र ने वक्फ एक्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर किया हलफनामा

नई दिल्ली। वक्फ कानून में लाए गए संशोधनों का बचाव करते हुए, केंद्र ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा धर्म और संपत्ति के आधार पर चुनौतियों की सुनवाई के दौरान प्रावधानों पर किसी भी अंतरिम रोक के खिलाफ तर्क दिया। वक्फ (संशोधन) अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाओं के जवाब में, केंद्र ने कहा कि *उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ* को पिछले 100 वर्षों से – 1923 में पहले वक्फ अधिनियम के बाद से – केवल पंजीकरण के आधार पर मान्यता दी गई है, न कि मौखिक रूप से। केंद्र ने पीठ से कहा कि इसलिए, संशोधन सुसंगत अभ्यास के अनुरूप है। वक्फ बाई यूजर से तात्पर्य ऐसी भूमि या संपत्ति से है जिसे धार्मिक उद्देश्यों के लिए लंबे समय तक इस्तेमाल किए जाने के कारण वक्फ माना जाता है। औपचारिक दस्तावेज या लिखित विलेख के बिना भी, ऐसी संपत्ति को समय –शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

हमें बुराई को खत्म करने के लिए दिखानी होगी ताकत : भागवत

मुंबई (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद देशवासी गुस्से में हैं। –शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिका ने रूस को दी चेतावनी, कहा–

शांति समझौता न करने पर करना पड़ेगा प्रतिबंधों का सामना

वाशिंगटन (हि.स.)। अमेरिका ने रूस को यूक्रेन पर किए गए ताजा हमलों के बाद कड़ी चेतावनी दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि अगर यूक्रेन के साथ शांति समझौता नहीं हुआ तो रूस को प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि ट्रंप ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि उनका मानना है कि रूस, यूक्रेन पर हमले रोकने की उनकी अपील को गंभीरता से लेगा। दोनों देशों के बीच समझौता अभी भी संभव है। एबीसी न्यूज के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका लगातार रूस पर यूक्रेन पर हमले रोकने के लिए दबाव –शेष पृष्ठ दो पर

केंद्रीय गृहमंत्री ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को दिया निर्देश, कहा–

पाकिस्तानियों को खोजो और वापस भेजो

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सभी राज्य के मुख्यमंत्रियों से बात की। उन्होंने सभी से अपने–अपने राज्यों में सभी पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करने और उनकी शीघ्र पाकिस्तान वापसी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने को कहा। शाह ने कई मुख्यमंत्रियों से बात कर ली है और बाकियों से भी वे बात कर रहे हैं। इस बीच राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की। सूत्रों के मुताबिक, अमित शाह ने शुक्रवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को फोन किया और उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी पाकिस्तानी नागरिक देश छोड़ने के लिए निर्धारित समय सीमा से आगे भारत में न रहे। भारत ने गुरुवार को 27 अप्रैल से पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी वीजा रद्द करने की घोषणा की थी और पाकिस्तान में रहने वाले भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द घर लौटने की सलाह दी थी। मुख्यमंत्रियों को यह भी कहा गया कि वे अपने–अपने क्षेत्रों में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करें और उनका निर्वासन सुनिश्चित करें। दरअसल, जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले में दहशतगर्दों ने 26 लोगों (दो स्थानीय और दो विदेशी नागरिकों) को –शेष पृष्ठ दो पर

स्वदेश लौटने के लिए अटारी बॉर्डर पर पाकिस्तानी नागरिकों का हंगामा

चंडीगढ़ (हि.स.)। पाकिस्तानी नागरिकों को देश से बाहर किए जाने के आदेश के बाद शुक्रवार को दूसरे दिन अटारी बॉर्डर पर दिनभर गहमा–गहमी का माहौल बना रहा। यहां पाकिस्तानी नागरिकों ने अपने देश में वापस जाने के लिए काफी हंगामा किया। जांच के दौरान पता चला कि कईयों की वीजा अवधि भी समाप्त हो चुकी थी, लेकिन इसके बावजूद वह भारत में रूके हुए थे। ऐसे पाकिस्तानी नागरिक शुक्रवार को जब अटारी बॉर्डर पर पहुंचे तो बीएसएफ व कस्टम अधिकारियों ने इनको रोक लिया। अटारी बॉर्डर पर आज करीब एक दर्जन ऐसी महिलाएं पहुंची, जिनका मायका भारत में है और शादी पाकिस्तान में हुई है, लेकिन उन्हें पाकिस्तान की नागरिकता नहीं मिली है। –शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

अपने विधायक के बयान से अजमल ने किया किनारा, बोले–

यह समय सरकार के साथ खड़े होने का है

नगांव। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के अध्यक्ष बदरुद्दीन अजमल ने पार्टी विधायक अमीनुल इस्लाम द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बारे में दिए गए बयान की निंदा की। अजमल ने स्पष्ट किया कि यह टिप्पणी व्यक्तिगत हैसियत में की गई थी और यह पार्टी की स्थिति को नहीं दर्शाती है। एआईयूडीएफ कार्यालय द्वारा जारी एक वीडियो बयान में अजमल ने कहा कि हाजी अमीनुल ने जो कहा वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। इस समय हमें भारत सरकार के साथ खड़ा होना चाहिए। एक आतंकवादी की कोई जाति या धर्म नहीं होता। यह बयान अमीनुल का अपना है और पार्टी की टिप्पणी नहीं है। अपने बयान में अजमल ने कहा कि मुझे खबर मिली है कि पहलगाम की घटना पर टिप्पणी करने के कारण हाजी अमीनुल इस्लाम को गिरफ्तार किया गया है। मैंने उनकी टिप्पणी सुनी। हाजी अमीनुल ने जो कहा है, वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। इस समय हमें भारत सरकार के साथ खड़ा होना है। आतंकवादी सिर्फ आतंकवादी होता है, उसकी कोई जाति या धर्म नहीं होता। उन लोगों की निंदा करना बहुत जरूरी है जो आतंकवाद पर काम कर रहे हैं, इस्लाम और मुसलमानों को बदनाम कर रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हाजी अमीनुल ने जो टिप्पणी की है, वह उनकी अपनी है, यह हमारी पार्टी की टिप्पणी नहीं है। असम के धींग निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले इस्लाम को असम पुलिस ने अपमानजनक और भड़काऊ टिप्पणी करने के लिए गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार, एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान की गई उनकी टिप्पणियों को सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित किया गया था और इससे तनाव भड़कने की संभावना थी। असम पुलिस ने प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि धींग विधायक अमीनुल इस्लाम द्वारा सार्वजनिक रूप से दिए गए एक भ्रामक और भड़काऊ बयान के आधार पर, जो वायरल हो गया और जिससे प्रतिकूल स्थिति पैदा होने की संभावना थी, नगांव पीएस केस 347/25 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 152, 196, 197 (1), 113 (3), 352 और 353 के तहत दर्ज किया गया था।

नीट पेपर लीक मामले का मास्टर माइंड गिरफ्तार

पटना (हिंस)। नीट पेपर लीक के मास्टरमाइंड संजीव मुखिया को गुरुवार की रात पटना से बिहार स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और आर्थिक अपराध यूनिट (ईओयू) की संयुक्त कार्रवाई के दौरान पटना से गिरफ्तार कर लिया गया है। संजीव मुखिया पर तीन लाख का इनाम घोषित किया था। ईओयू के एडीजी नैय्यर हसनैन ख़ान ने शुक्रवार को बताया कि नीट पेपर लीक मामले में संजीव मुखिया मुख्य आरोपी है और वह लंबे समय से फरार था। 10 अप्रैल को बिहार पुलिस ने संजीव मुखिया पर 3 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। उन्होंने बताया कि गुरुवार की रात मिले एक इनपुट के आधार पर दानापुर थाना क्षेत्र के शागुनामोर स्थित एक अपार्टमेंट से ईओयू और बिहार एसटीएफ ने संयुक्त कार्रवाई के बाद नीट पेपर लीक मामले के मास्टरमाइंड संजीव मुखिया को गिरफ्तार किया है।

MISSING PERSON

Smti. Depali Baruah

The above is a photograph of one Smti Dipali Baruah of Asomia Gaon, PS-Joypur, Dist. - Dibrugarh, Assam, who has been missing from her home since 04/04/2025

This refers to Joypur PS GDE No. 16/2025 dated 21/04/2025 and MMr No. : 14/2025.

The Descriptive roll of the missing person : Smti. Depali Baruah

a. Complexion - Fair.
b. Age - 32 years.
c. Height - 5 Ft 2 Inch.
d. Hair - Long.

All out efforts may be taken to trace out/recover the above noted missing / untraced person at the earliest and result thereof may be intimated to OC Joypur (M.No. 6003822684); I.O. (M.No. 8822724925) for further necessary action.

Superintendent of Police,
-- DIPR /D/VBS/5/26-Apr-25 **Dibrugarh, Assam**

लंका के रंगमहल में बर्मीजा सुपारी से भरा ट्रक पलटा

होजाई (हिंस)। शुक्रवार सुबह लंका के रंगमहल इलाके में बर्मीज (म्यांमार) सुपारी से लदा एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ट्रक (एएस 11 डीसी 3466) लंका से नगांव की ओर जा रहा था, तभी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। बताया जा रहा है कि ट्रक में चैंबर बनाकर आगे का हिस्सा खाली छोड़ा गया था, जबकि पीछे के हिस्से में बर्मीज सुपारी भरी गई थी। दुर्घटना के बाद चालक और हेल्पर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

पंजाब के कालेजों में स्थानीय व कश्मीरी छात्रों में झड़प

चंडीगढ़ (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पंजाब में कश्मीरी छात्रों के साथ मारपीट करने की घटनाएं सामने आई हैं। जम्मू-कश्मीर के अधिकतर विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए पंजाब के मोहाली तथा पटियाला जिलों के कालेजों में आते हैं। मोहाली के खरड़ व डेराबस्सी इलाकों में घटनाओं के बाद कश्मीरी छात्रों वाले कॉलेजों के बाहर पीसीआर तैनात की गई है। गुरुवार की रात मोहाली के खरड़ इलाके में कुछ स्थानीय छात्रों और कश्मीरी छात्रों के बीच झड़प हुई है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने कश्मीरी छात्रों से मुलाकात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि उन्हें किसी तरह की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। एनएसयूआई पंजाब के अध्यक्ष ईशरप्रीत सिंह ने शुक्रवार को कश्मीरी छात्रों से मुलाकात के बाद बताया कि कश्मीर से यहां पढ़ाई के लिए आई हुई छात्राओं ने उन्हें बताया कि पहलगाम घटना के बाद स्थानीय लोग उसके साथ गाली-गलौज कर रहे हैं। जैसे ही वह अपने कमरे में पहुंची, स्थानीय लोगों ने उसका दरवाजा खटखटाना शुरू कर दिया। जब उसने दरवाजा खोला, तो वे उसे हमले के लिए जिम्मेदार ठहराने लगे। वे उसे आतंकवादी कहने लगे। ईशरप्रीत सिंह ने कहा कि यह युवती हमारी बहन है। इसकी हर संभव मदद की जाएगी। इसी दौरान मोहाली जिले के डेराबस्सी स्थित एक निजी कालेज में पंजाब व कश्मीरी छात्रों के बीच हाथापाई हुई। गुरुवार को क्रिकेट मैच के दौरान हुआ विवाद पूरा दिन चलता रहा। देररात फिर से छात्रों के बीच मारपीट हो गई। कालेज प्रबंधकों के सूचित करने पर पुलिस मौके पर पहुंची और विवाद को शांत किया।

No.Misc/2/XXV/824 *Dated Kokrajhar the 24/04/2024*

SHORT TENDER NOTICE

Sealed tender in prescribed form affixing court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees Eight & paise twenty five) only for each group separately are hereby invited from Registered Contractors of Irrigation Deptt., Assam for the following works and will be received up to 2.00 P.M. on 08-05-2025 and will be opened on the same date and place at 3.00 P.M. by the undersigned in presence of tenderer or their authorised representative if any so desire.

In case of any unavoidable circumstances or any Govt. Holiday being declared on that day, the same will be received and opened on the next working day at the same place and time.

Sl. No.	Name of Scheme	Approximate value of works	Time of completion
1	Renovation of Afflux & Guide Bund of Laska F.I.S. under A.I.B.P. 2013-14 (BTC)	Rs. 12.50 L in a single group	6 (Six) months

Location :- Kokrajhar West Sub-Division (Irrigation), Ramfalbil
Approx. Value of Work :- Rs.12.50 L (As per Group List)
Time of Completion :- As per Group List.
Earnest Money :- 2% of the value of the Work (1% for S.C/S.T/O.B.C. & M.O.B.C. Category)

Detailed specification of item & other terms and condition may be obtained from O/O the Undersigned on written request depositing a sum of Rs. 300.00 (Rupees Three hundred) only by cash on all working days during office hours.

Sd/
Executive Engineer, Gossaigaon-Kokrajhar
West Division (Irrigation), Gossaigaon

पृष्ठ एक का शेष

आतंकियों को चुन-चुनकर...

रहने पर सहमति जताई। ब्रिटेन के सांसदों ने भी जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की है। ब्रिटेन के सांसद तनमनजीत सिंह धेसी ने उम्मीद जताई कि हमले के पीछे के अपराधियों को जल्द ही न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। उधर पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद विश्व के कई देशों ने भारत के प्रति समर्थन जताया है। कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों और प्रधानमंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की है। सभी ने निर्दोष नागरिकों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है और इस हमले की कड़ी निंदा की है। आज श्रीलंका, ब्रिटेन और नीदरलैंड के नेताओं ने प्रधानमंत्री से बात की। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी से बात की। उन्होंने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरा दुख जताया। उन्होंने हमले को जघन्य आतंकवादी कृत्य बताया। उन्होंने भारत के साथ एकजुटता प्रकट की। आतंकवाद के खिलाफ साझा लड़ाई की प्रतिबद्धता दोहराई। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बात की। उन्होंने हमले को बर्बर और अमानवीय करार दिया। उन्होंने भारत के लोगों के प्रति गहरी संवेदना जताई। उन्होंने कहा कि इस संकट की घड़ी में ब्रिटेन भारत के साथ है। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री डिक स्कोफ ने प्रधानमंत्री मोदी से बात की। उन्होंने इस हमले को क्रॉस बॉर्डर आतंकी हमला बताया। उन्होंने इसे एक कायराना और अमानवीय कृत्य कहा। उन्होंने आतंकवाद के हर रूप को खारिज किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इन देशों के समर्थन के लिए धन्यवाद जताया। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ साथ मिलकर काम करेगा। उल्लेखनीय है कि अब तक 13 देशों के नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी से व्यक्तिगत रूप से बात की है। इनमें अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, नेपाल, मॉरीशस, इजरायल, जॉर्डन, जापान, फ्रांस, इटली, मिस्र, नीदरलैंड्स, ब्रिटेन और श्रीलंका के नेता शामिल हैं।

पीएम आज रोजगार ...

आयोजित किया जाएगा। यह युवाओं को सशक्त बनाने और राष्ट्रीय विकास में प्रभावी योगदान देने के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा। देशभर से चयनित नए कर्मचारी राजस्व विभाग, कार्मिक एवं लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, गृह मंत्रालय, डाक विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, रेल मंत्रालय, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय सहित विभिन्न मंत्रालयों/विभागों में केंद्र सरकार में शामिल होंगे।

पानी की एक भी ...

को कहा कि 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हस्ताक्षर की गई यह संधि *जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए सबसे अन्यायपूर्ण दस्तावेज* है। अब्दुल्ला ने कहा कि भारत सरकार ने कुछ कदम उठाए हैं। जम्मू और कश्मीर के संदर्भ में हम कभी भी सिंधु जल संधि के पक्षधर नहीं रहे हैं। हम हमेशा मानते हैं कि सिंधु जल संधि जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए सबसे अन्यायपूर्ण दस्तावेज रही है। मुख्यमंत्री ने अमित शाह से अन्य राज्यों में जम्मू और कश्मीर के लोगों की सुरक्षा के बारे में मिले आश्वासन पर भी बात की। उन्होंने कहा कि दुख की बात है कि यह हमला हुआ। हमने सुनिश्चित किया कि जो भी मुद्दे बैठक में हमारे ध्यान में लाए गए, हम उन पर काम करेंगे। इस बैठक के दौरान, मैंने केंद्रीय गृह मंत्री से बात की और उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि जम्मू और कश्मीर के जो लोग अन्य राज्यों में रह रहे हैं, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए जाएंगे। गृह मंत्रालय की ओर से एक एडवाइजरी जारी की जाएगी और केंद्रीय मंत्री ने कई राज्यों के मुख्यमंत्री से भी बात की है। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा समिति की बैठक में भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को तब तक निलंबित करने का निर्णय लिया, जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के लिए अपना समर्थन समाप्त नहीं करता।

कोर्ट ने अमीनुल इस्लाम...

अलग कर लिया था। जबकि मुख्यमंत्री हिमंत विश्वा शर्मा ने बुधवार को ही कहा था कि जो भी असम की जमीन से पाकिस्तान का समर्थन करेगा, चाहे वह कितना ही बड़ा व्यक्ति क्यों न हो, हम उसे नहीं बख्शेंगे। इस्लाम ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह 2018 के पुलवामा हमले के पीछे थे और अब वही लोग पहलगाम हमले में भी शामिल हैं। यह बयान उन्होंने अपने क्षेत्र में होने वाले आगामी पंचायत चुनावों के लिए पार्टी उम्मीदवारों के प्रचार के दौरान दिया। उन्होंने कहा था, मुझे लगता है कि पुलवामा हमले में, जिसमें 2018 में केंद्र सरकार की भूमिका थी। भाजपा ने पुलवामा हमले के मुद्दे पर 2019 के आम चुनावों में मतदाताओं का ध्रुवीकरण किया और चुनाव जीता। मैंने जांच की मांग की थी लेकिन कुछ नहीं हुआ। मुझे विश्वास है कि जैसे पुलवामा में हुआ, वैसे ही नरेंद्र मोदी सरकार की पहलगाम हमले में भी भूमिका है। अगर सरकार सच सामने नहीं लाती है, तो हमें मानने के लिए बाध्य होना पड़ेगा कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह दोनों इन दोनों हमलों के पीछे थे। इसके अलावा, इस्लाम ने यह भी दावा किया था कि आतंकियों ने हमला करते समय पीड़ितों की पहचान की पुष्टि नहीं की थी और अंधेरे का फायदा उठाकर पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। जबकि उल्लेखनीय रूप से यह हमला दोपहर के समय हुआ था और घटना के वीडियो भी सामने आए हैं। साथ ही, कई बचे हुए लोगों ने पुष्टि की है कि हमलावरों ने पीड़ितों का धर्म जानने के बाद उन पर हमला किया।

पाकिस्तान के रक्षकों ...

से गिरफ्तारियों की सूची साझा की। उन्होंने लिखा कि असम किसी भी ऐसे व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं करेगा जो पहलगाम में हुए जघन्य हमले के संबंध में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान का समर्थन या बचाव करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विचाराधीन पोस्ट को सोशल मीडिया पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान के हित को बढ़ावा देने के रूप में देखा गया था। उन्होंने यह भी कहा कि हमारी चल रही कार्रवाई के तहत और गिरफ्तारियां की जा रही हैं। राज्य भर से गिरफ्तार किए गए अन्य लोगों में मोरिगांव से मोहम्मद महाहर मिया और मोहम्मद मुजीहिरुल [स्लम, नागांव से मोहम्मद अमीनुल इस्लाम और शिवसागर से मोहम्मद साहिल अली शामिल हैं। असम पुलिस ने जांच जारी रहने के कारण और गिरफ्तारियों से इनकार नहीं किया है।

आतंकवाद के खिलाफ...

करने की मंशा थी। उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हर एक भारतीय एकजुट हो। हमें आतंकवादियों की कोशिशों को हराना होगा। अपने कश्मीर दौरे के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पहलगाम हमले में घायल लोगों से एक से मुलाकात की। राहुल गांधी ने कहा कि उन सभी लोगों को मेरा प्यार और स्नेह, जिन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को खो दिया है। पूरा देश उनके साथ खड़ा है। सांप्रदायिक सद्भाव की आवश्यकता पर बल देते हुए और कश्मीर के निर्दोष लोगों को निशाना बनाने के खिलाफ चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि यह देखकर दुख होता है कि कुछ लोग देश के अन्य हिस्सों में कश्मीर के मेरे भाइयों और बहनों पर हमला कर रहे हैं। हमें एक साथ खड़े होकर आतंकवाद को हमेशा के लिए हराना चाहिए।

35 बंदूक और ...

ट्रिप में हम लोग पहले माता वैष्णो धाम गए। 15 तारीख को वैष्णो देवी से फ्री हुए और 16 अप्रैल को श्रीनगर पहुंचे। 17 और 18 तारीख को हम लोग श्रीनगर में घूमे और 19 तारीख को हम लोग सोनमर्ग और 20 तारीख को पहलगाम गए थे। पहलगाम में हम लोगों की खच्चर वालों से बात हुई तो वह हमें बायसरन घाटी ले गए जिसे मिनी स्विट्जरलैंड कहा जाता है। महिला ने बताया कि हम लोग बायसरन से 500 मीटर पहले एक जगह तक गए। वहां पर वह संदिग्ध था, जिसका स्केच जारी हुआ है। उसे हम पहचान रहे हैं। उसके साथ एक लड़का भी था। पहले हम लोगों को लगा कि वह खच्चर वाले हैं। उसने मुझसे पूछा कि आपका क्या नाम है? महिला ने जवाब दिया कि मेरा नाम एकता है और राजस्थान से हूं। उसने फिर मुझसे कहा कि आप अजमेर गई हो? मैंने कहा कि मैं अजमेर नहीं गई हूं। फिर उसने कहा कि आप अपने नाम के आगे क्या लगाती हैं? महिला ने कहा कि मैं एकता ही लिखती हूं। इसके बाद उसने पूछा कि कितने लोग आए हैं और कौन-कौन साथ आया है? महिला ने बताया कि बातचीत के दौरान संदिग्ध ने उनसे उनका धर्म भी पूछा। साथ ही कहा रहा था कि कुरान पढ़ो, कुरान हिंदी में भी है। मैं उसका टीचर भी रहा हूं। महिला ने बताया कि जब मैंने उससे कहा तो आप खच्चर क्यों चलाते हो तो वह चुप हो गया। इस बातचीत के दौरान उसका फोन आ जाता है। फोन पर वह किसी से कहता है कि 20 लोगों का ग्रुप आ रहा है। बातचीत के दौरान ही महिला ने सुना वह फोन पर बोल रहा था कि ब्रेक फेल नहीं हो पाया... प्लान बी। 35 बंदूक मैंने घाटी भिजवा दी हैं। बॉक्स भी पूरा भेज दिया है। फिर महिला ने अपने पति से कहा कि उसका फोटो ले लो चुपके से।

वैश्विक खतरे की ...

में हिस्सा ले रहे कुलपतियों के साथ एक मिनट का मौन रख कर पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी। धनखड़ ने व्यक्तिगत, राजनीतिक या समूह हितों पर राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने डॉ. अंबेडकर को उद्धृत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय हित सर्वोच्च है और इससे समझौता नहीं किया जा सकता। उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की और देश के आंतरिक या बाहरी चुनौती का मजबूती से जवाब देने का भरोसा व्यक्त किया। धनखड़ ने भारत के प्राचीन दर्शन *वसुधैव कुटुम्बकम* (विश्व एक परिवार है) पर भी प्रकाश डाला, जो शांति और एकता के प्रति देश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उपराष्ट्रपति की टिप्पणी आतंकवाद से निपटने और शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने में राष्ट्रीय एकता और सहयोग के महत्व को रेखांकित करती है। हमले की निंदा करके और सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर देकर, धनखड़ के बयान ने आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए एकीकृत प्रतिक्रिया की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

केंद्र ने वक्फ एक्ट...

के साथ उसके उपयोग के आधार पर *वक्फ बाई यूजर* घोषित किया जा सकता है। केंद्र ने आगे तर्क दिया कि भले ही उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ सहित सभी वक्फों को 1923 के मूल अधिनियम के तहत अनिवार्य रूप से पंजीकृत किया जाना था, फिर भी कई निजी और सरकारी भूमि पर उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ के तहत दावा किया गया था, जिससे व्यक्तिगत नागरिकों के मूल्यवान संपत्ति अधिकारों का हनन हुआ और सार्वजनिक संपत्तियों पर अनधिकृत दावे हुए। इस महीने की शुरुआत में, सर्वोच्च न्यायालय ने उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ को हटाने, वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिमों को शामिल करने और विवादित सरकारी भूमि पर वक्फ की स्थिति निर्धारित करने के संबंध में कलेक्टर की शक्तियों पर चिंता व्यक्त की थी। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने अधिनियम के कुछ प्रावधानों को चिह्नित करते हुए कहा कि हम आम तौर पर चुनौती के इस चरण में किसी कानून पर रोक नहीं लगाते हैं, जब तक कि असाधारण परिस्थितियां न हों। यह एक अपवाद प्रतीत होता है। हमारी चिंता यह है कि अगर वक्फ-बाय-यूजर को गैर-अधिसूचित किया जाता है, तो इसके बहुत बड़े परिणाम हो सकते हैं। 17 अप्रैल को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को आश्वासन दिया कि वे नवीनतम संशोधन के अनुसार केंद्रीय या राज्य वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति नहीं करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि अगली सुनवाई की तारीख तक उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ को डी-नोटिफाई नहीं किया जाएगा। मेहता के आश्वासन को स्वीकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम रोक लगाने से परहेज किया और केंद्र, राज्यों और वक्फ बोर्डों को एक सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने को कहा।

शांति समझौता न करने ...

डाल रहा है। ट्रंप ने दावा किया कि आपको पता नहीं है कि हम रूस पर कितना दबाव डाल रहे हैं। ट्रंप से पूछा गया कि यूक्रेन के साथ शांति योजना पर पहुंचने के लिए रूसी सरकार ने क्या रियायतें दी हैं? उन्होंने इसका स्पष्ट जवाब नहीं दिया। ट्रंप ने कहा कि वह गुरुवार को द अटलांटिक अखबार के प्रधान संपादक जेफरी गोल्डबर्ग से मिलने जा रहे हैं, जिन्हें अनजाने में सिग्नल चैट में शामिल कर लिया गया था। उल्लेखनीय है कि इस चैट में रक्षा सचिव पीट हेगसेथ सहित अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने यमन में हूथी विद्रोहियों पर हमले की योजनाओं पर चर्चा की थी।

पाकिस्तानियों को खोजो ...

मौत के घाट उतार दिया था। हमला मंगलवार को अपराह्न करीब तीन बजे हुआ, जब आतंकवादी बैसरन घाटी में पहाड़ से नीचे उतरे और वहां पर्यटकों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इस स्थान को लंबे हरे-भरे घास के मैदानों के कारण *मिनी स्विट्जरलैंड* कहा जाता है। हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से फोन पर बातचीत की थी और उनसे सभी उचित कदम उठाने को कहा था। उसी दिन अमित शाह ने आपात बैठक बुलाई। बैठक में कई शीर्ष अधिकारियों को निर्देश दिए गए। सबसे पहले भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सरकार ने कहा कि जब तक पाकिस्तान सीमा-पार आतंकवाद को समर्थन देना बंद नहीं कर देता, तब तक यह संधि निलंबित रहेगी। अटारी एकीकृत चेक पोस्ट बुधवार को ही बंद कर दी गई। जिन लोगों ने अनुमोदन के साथ सीमा पार की है, उन्हें 1 मई से पहले उस रास्ते से लौटने की अनुमति है। सरकार ने अब पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क वीजा छूट योजना (एसवीईएस) वीजा के तहत भारत आने की अनुमति नहीं दी है। पाकिस्तानी नागरिकों को पहले जारी किए गए एसवीईएस वीजा रद्द कर दिए गए हैं। एसवीईएस वीजा रखने वाले सभी पाकिस्तानियों को 48 घंटे में भारत छोड़ने के लिए कहा गया है। नई दिल्ली में पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा, सैन्य, नौसेना और वायु सलाहकारों को अवांछित घोषित कर दिया गया और उन्हें देश छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया। भारत ने यह भी घोषणा की कि वह इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग से अपने रक्षा कर्मचारियों को वापस बुलाएगा। भारत ने कहा कि वह 1 मई तक और कटौती करके उच्चायोगों की कुल संख्या को वर्तमान 55 से घटाकर 30 कर देगा। सरकार ने बीते दिन पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। इसने सभी पाकिस्तानी नागरिकों को 27 अप्रैल तक भारत छोड़ने को कहा। हालांकि, जिनके पास मेडिकल वीजा है वे केवल 29 अप्रैल तक ही रह सकते हैं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब के अटारी, हुसैनीवाला और सादकी में रिट्रीट समारोह के दौरान औपचारिक प्रदर्शन को कम करने का एक सुनियोजित निर्णय लिया।

स्वदेश लौटने के लिए...

आदेश हैं कि भारतीय पासपोर्ट वालों को पाकिस्तान ना जाने दिया जाए। राजस्थान के जोधपुर की रहने वाली अफसीन जहांगीर की शादी कराची में हुई थी। बच्चे पाकिस्तानी नागरिक हैं, इसलिए उन्हें तो बॉर्डर पार कर जाने दिया गया, लेकिन अफसीन को रोक दिया गया। दिल्ली की अरूदा की शादी बीस साल पहले पाकिस्तान में हुई थी। उनके दो बच्चे हैं, जो पाकिस्तानी नागरिक हैं। अरूदा के पति उनको लेने के लिए आज लाहौर से बाघा बॉर्डर आए थे। उन्होंने बताया कि उनकी बीवी एक महीने के लिए अपने मां-बाप से मिलने भारत आई थी। 27 तारीख की वापसी का टिकट था, लेकिन हालात देखकर चार दिन पहले ही निकलने की कोशिश की, लेकिन आज बॉर्डर पर रोक दिया गया। शनिजा की शादी 15 साल पहले कराची में हुई थी। वे दिल्ली में अपने माता-पिता से मिलने आई थीं, लेकिन अब जब वे वापस पाकिस्तान लौटना चाह रही हैं, तो आज उन्हें अटारी बार्डर पर रोक लिया गया। शनिजा के अनुसार उनके शौहर वाघा बॉर्डर के उस पार इंतजार कर रहे हैं और वह गुरुवार रात से अटारी बॉर्डर पर बैठी हैं।

हमें बुराई को खत्म ...

नफरत और दुश्मनी हमारा स्वभाव नहीं है, लेकिन लड़ाई धर्म और अधर्म के बीच है। हमें बुराई को खत्म करने के लिए ताकत दिखानी होगी। ताकत होने और उसकी जरूरत पड़ने पर इसका इस्तेमाल भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है यह दिखाने का कि हमारा देश कितना शक्तिशाली है। हम सबके दिलों में दर्द है। सभी भारतीय जाग चुके हैं। ऐसे हमलों को रोकने के लिए समाज में एकता जरूरी है। डॉ. भागवत विलेपार्ले के दीनानाथ थिएटर में गुरुवार रात को आयोजित चौथे लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि रावण भगवान शिव का भक्त था लेकिन उसके आसपास कुछ ऐसी चीजें थीं जिन्हें समझाया और सुलझाया नहीं जा सका। इसीलिए भगवान राम को उसका वध करना पड़ा। कुछ लोग ऐसे हैं जिन्हें समझाने से कोई समस्या हल नहीं होगी। उन्हें सबक सिखाया जाना चाहिए। सरसंघचालक डॉ. भागवत ने कहा कि अगर हम एकजुट हो जाएं तो कोई भी हमारी तरफ बुरी नजर से देखने की हिम्मत नहीं कर सकेगा। किसी से नफरत या शत्रुता रखना हमारे स्वभाव में नहीं है, लेकिन चुपचाप नुकसान सहना भी हमारे स्वभाव में नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें केंद्र सरकार से मजबूत प्रतिक्रिया की उम्मीद है और उन्हें विश्वास है कि यह उम्मीद पूरी होगी। डॉ. भागवत ने कहा कि धर्म की जड़ हमारे हृदय में है। दुनिया में केवल एक ही धर्म है- मानवता का धर्म, जिसे आजकल हिंदू धर्म कहा जाता है। संप्रदाय के अनुशासन का पालन सभी को करना पड़ता है और इसमें थोड़ी कट्टरता भी होती है। उन्होंने कहा कि संविधान धर्मनिरपेक्ष है, संविधान के निर्माता धर्मनिरपेक्ष थे क्योंकि हमारी 5,000 साल पुरानी संस्कृति हमें यही सिखाती है। कार्यक्रम में एम. राजन को संगीत सेवा के लिए मास्टर दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही नाटक *आसेन मी नासेन मी* को मोहन वाघ पुरस्कार, आरंभ सोसायटी फॉर स्पास्टिक एंड स्लो लर्नर्स की अंबिका तकलकर को आनंदमयी पुरस्कार और श्रीपम सबनीस को साहित्यिक सेवा के लिए वाग्विलासिनी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा अभिनेता शरद पोंक्षे, अभिनेत्री सोनाली कुलकर्णी और रीवा राठौड़ को रंगमंच और फिल्म के लिए मंगेशकर पुरस्कार प्रदान किए गए।

आतंकवाद को मिट्टी में मिलाना सभी देशवासियों का संकल्प : जोगाराम पटेल

जोधपुर (हिंस)। संत शिरोमणि सैनजी महाराज के प्रकटोत्सव यानी सैन जयंती शुक्रवार को उल्लास व उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। बालकिशन चौहान ने बताया कि मारू नाई विकास समिति जोधपुर और सैन जयंती महोत्सव समिति 2025 के संयुक्त तत्वावधान में शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा से पूर्व गुलाब सागर स्थित सैन मंदिर में यज्ञ का आयोजन कर सभी की खुशहाली की कामना की गई। इसके बाद मुख्य अतिथि सैनाचार्य अचलानंद महाराज, कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने सेनजी महाराज की तस्वीर की पूजा अर्चना कर, झंडी दिखाकर शोभायात्रा को रवाना किया। स्वामी अचलानंद महाराज ने पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा मारे गए सभी व्यक्तियों की आत्म की शांति के लिए प्रार्थना की। मंत्री जोगाराम पटेल ने आतंकवाद को सबसे बड़ा खतरा बताते हुए उसके खात्मे का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जेहादियों के खात्मे के लिए प्रतिबद्ध है। महासचिव सुरेंद्र सैन ने बताया कि शहर सहित इस बार शोभायात्रा में जोधपुर शहर, कुड़ी, बोरानाडा, मसूरिया, नांदड़ी, बनाड आदि आसपास के क्षेत्रों से 100 से अधिक झांकियां शामिल हुई। शोभा यात्रा का पहला सिरा जब सोजती गेट को पार कर स्टेशन रोड की ओर मुड़ रहा था, तब शोभा यात्रा की अंतिम झांकी नई सड़क के घंटाघर के आगे से रवाना हो रही थी। पूरे रास्ते सैन बंधुओं और क्षोरकार बंधुओं द्वारा शोभा यात्रा का जोरदार स्वागत और सेवा प्रदान की गई। इस शोभायात्रा में धार्मिक झांकियों के साथ सैन समाज के 12 महापुरुषों की झांकियां भी शोभायात्रा में सम्मिलित हुई।

चराइदेव माइबेला में शव बरामद

चराइदेव (हिंस)। असम के चराइदेव जिले के माइबेला इलाके में शुक्रवार को एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने चफ्राई नदी में एक शव को पानी में तैरती हालत में देखा, जिसकी उम्र लगभग 30 वर्ष बताई जा रही है। युवक ने लाल रंग की स्पोर्ट्स टी-शर्ट और नीले रंग की जींस पहनी हुई थी और उसके गले में एक ताबीज भी था। अब तक शव की पहचान नहीं हो सकी है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने कहा है कि मृतक की पहचान और परिजनों की तलाश की जा रही है।

डॉ. शर्मा और दिलीप सैकिया पंचायत चुनाव संकल्प पत्र कल करेंगे जारी

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश में आगामी पंचायत चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चुनावी अभियान तेज कर दिया है। दो चरणों में होने वाले ये चुनाव 2 और 7 मई को आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और पबित्र मार्गेरीटा समेत अन्य प्रमुख नेताओं, मंत्रियों, विधायकों और वरिष्ठ पदाधिकारियों के नेतृत्व में राज्यभर में जनसभाएं आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में शनिवार सुबह 9 बजे, गुवाहाटी स्थित भाजपा के राज्य कार्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में पार्टी का पंचायत चुनाव *संकल्प पत्र* मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया द्वारा जारी किया जाएगा। यह संकल्प पत्र राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास की रूपरेखा प्रस्तुत करेगा। भाजपा द्वारा तैयार किए गए इस संकल्प पत्र में प्रदेश के जागरूक नागरिकों से विचार-विमर्श कर उनके सुझावों को सम्मिलित किया गया है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता मनोज बरुवा ने विश्वास जताया कि इसमें किए गए वादे हर वर्ग के लोगों की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। संकल्प पत्र विमोचन कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण अर्थव्यवस्था, संस्थागत सशक्तिकरण और सामाजिक व्यवस्थाओं को मजबूती देने हेतु विशेष योजनाएं घोषित की जाएंगी। इसके साथ ही ग्रामीण विकास में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 13 विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित भी किया जाएगा। रंजीब शर्मा (अध्यक्ष, सीता जाखला डेयरी कोऑपरेटिव सोसाइटी), अनुपम डेका (डायरेक्टर, असम गौरव-एसआरडी ग्रुप), कृषि आयोजक पुष्पधर कछारी, ग्रामीण उद्यमी रूना रफीक, असम गौरव टी उत्पादक तेंजिंग बोडोसा, जैविक कृषि मॉडल किसान उत्पल कलिता, गो आधारित जैविक खेती मॉडल किसान जयंत मल्ल बुजरबरुवा, मॉडल किसान देबब्रत राभा, मत्स्य पालन विशेषज्ञ गुरु प्रसाद दास, काष्ठ पुष्प उत्पादक तुलिका गोगोई, पारंपरिक परिधान निर्माता (असम गौरव) जेसीन कुम्बांग पाव तथा मत्स्य उत्पादक (असम गौरव) देवजीत बर्मन, उद्यमी (असम गौरव) नीलम दत्ता। पार्टी का दावा है कि यह संकल्प पत्र राज्य के ग्रामीण क्षेत्र के विकास को एक नई दिशा देगा।

पांडु में जम्मू-कश्मीर के हिंदू पर्यटकों की हत्या के विरोध में प्रदर्शन

गुवाहाटी (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम इलाके में आतंकवादियों द्वारा किए गए बर्बर हमले में हिंदू पर्यटकों की निर्मम हत्या कर दी गई। इस हृदयविदारक घटना से पूरे देश में गहरा शोक और तीव्र आक्रोश व्याप्त है। आम नागरिकों से लेकर विभिन्न संगठनों तक, सभी एकजुट होकर दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग कर रहे हैं। साथ ही, जो लोग इस घटना के पीछे शामिल थे, उनके खिलाफ भी कठोर कार्रवाई की मांग उठ रही है। इस जघन्य हत्याकांड के विरोध में आज राजधानी के पांडु स्थित कामाख्या नगर में एक मौन जुलूस का आयोजन किया गया। कामाख्या नगर विकास समिति की पहल पर आयोजित इस जुलूस में शाम को अनेक लोगों ने हाथों में मोमबत्ती लेकर भाग लिया। उनके चेहरे पर शोक और हृदय में गहरा क्रोध स्पष्ट रूप से देखा गया। *इस क्रूरता का न्याय चाहिए* -यही एक स्वर सभी की जुबान पर था। जुलूस कामाख्या नगर के मुख्य मार्गों से होकर गुजरते हुए विभिन्न स्थान घूमते हुए कामाख्या नगर पूजा मंडप पर समाप्त हुआ, जहां एक शोकसभा आयोजित की गई। सभा में निर्ममता से मारे गए पर्यटकों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। प्रतिभागियों ने भावनात्मक शब्दों में दुख व्यक्त किया और देशवासियों को सतर्क रहने का संदेश दिया। इसके अलावा, पांडु के विभिन्न क्षेत्रों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों ने भी इस बर्बर घटना की तीव्र निंदा और विरोध प्रकट किया।

समृद्धि की ओर एक कदम और बढ़ा असम : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम तेजी से समृद्धि की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर साझा करके बताया कि राज्य में जब से उनकी सरकार बनी है, तब से प्रति व्यक्ति आय लगभग दोगुनी होकर 1, 54, 222 रुपए हो गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह उपलब्धि सरकार द्वारा लोगों के लिए अवसर सृजित करने और उनकी आय बढ़ाने के लिए चलाई गई विभिन्न योजनाओं के कारण संभव हो पाई है। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार ऐसे कदम उठा रही है जिससे आम नागरिक की आर्थिक स्थिति मजबूत हो और राज्य का समग्र विकास हो सके।

गौविवि के 32वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल एवं गौहाटी विश्वविद्यालय (गौविवि) के कुलाधिपति लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के साथ विश्वविद्यालय के 32वें दीक्षांत समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को डिग्री और डिप्लोमा प्रदान किए। राज्यपाल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि गौहाटी विश्वविद्यालय को भारत को वैश्विक शिक्षा, नवाचार और मूल्यों का केंद्र बनाने की दिशा में सक्रिय भागीदार बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर भारत को फिर से विश्वगुरु बनाने की दिशा में प्रयास करना है और गौहाटी विश्वविद्यालय को इसमें अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ गहरे शैक्षणिक सहयोग की आवश्यकता पर भी बल दिया और *इनोवेशन क्लब्स* और इनक्यूबेटर नेटवर्क के माध्यम से आईआईटी और एनआईटी जैसे संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया। राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को शैक्षणिक परिदृश्य में बदलाव लाने वाला बताया और विश्वविद्यालय से इसके लक्ष्यों को साकार करने में उत्प्रेरक की भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने गुवाहाटी विश्वविद्यालय को पूर्वोत्तर भारत में एनईपी 2020 को लागू करने वाला पहला विश्वविद्यालय होने पर बधाई दी और ई-समर्थ जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म अपनाने को तकनीकी दक्षता का प्रतीक बताया। आचार्य ने असम की विद्या और संत परंपरा को याद करते हुए महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव, श्रीश्री माधवदेव, भारत रत्न गोपीनाथ बरदलै और डॉ. भूपेन हजारिका का स्मरण किया। उन्होंने गौहाटी विश्वविद्यालय के सुंदर और बौद्धिक वातावरण वाले परिसर को अध्ययन और नवाचार के लिए आदर्श बताया। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने छात्रों से कहा कि हमारे छात्र विज्ञान, मानविकी, कला और तकनीक जैसे विविध क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त कर हमें गौरवान्वित कर रहे हैं। उनकी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियां, पेटेंट और अनुसंधान विश्वविद्यालय की गुणवत्ता का परिचायक हैं। उन्होंने शिक्षा को आजीवन यात्रा बताया और छात्रों से जिज्ञासा, करुणा और नवाचार की भावना को बनाए रखने की अपील की।

पूसीरे ने मंडलों में पैसेंजर रनिंग लाइनों का व्यापक अपग्रेडेशन किया

गुवाहाटी (हिंस)। रेलवे संरक्षा और परिचालन दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक व्यापक कदम उठाते हुए, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे ने अपने सभी पांच मंडलों-कटिहार, अलीपुरद्वार, रंगिया, लामडिंग और तिनसुकिया में पैसेंजर रनिंग लाइनों को अपग्रेड करने के लिए एक व्यापक पहल की है। इस मिशन-मोड पहल का उद्देश्य ट्रेनों की सुरक्षित और विश्वसनीय आवागमन को सहयोग प्रदान करने के लिए लूप लाइनों को मेन लाइन मानकों के बराबर लाना है। लूप लाइनों पर बढ़ते ट्रैफिक और ट्रैक के पुराने बुनियादी संरचनाओं से जुड़े संभावित सुरक्षा खतरों को देखते हुए यह कदम उठाया गया। महत्वपूर्ण स्थानों को प्राथमिकता और आधुनिक ट्रैक अनुरक्षण पद्धतियों को अपनाकर, एनएफआर अप्रत्याशित जोखिमों को कम करने और समग्र परिचालन वातावरण को बेहतर बनाने के लिए कार्य कर रहा है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि वर्ष 2024-25 में इस पहल के तहत रिकॉर्ड तोड़ उपलब्धियां देखी गई हैं। अपग्रेडेशन के क्षेत्र में बलास्ट को मजबूत करना, ट्रैक ज्यामिति में सुधार, जल निकासी प्रणालियों को सुविधाजनक बनाना और नियमित अंतराल पर ट्रैक मापदंडों का आकलन करने के लिए उन्नत प्रोफाइलिंग तकनीकों का उपयोग करना शामिल है। वास्तव में, कुल 9.01 लाख क्यूबिक मीटर बलास्ट की आपूर्ति कर बिछाई गई, जो एनएफआर के लिए अब तक का सर्वाधिक है-वार्षिक लक्ष्य से 36.52 प्रतिशत यानी 6.60 लाख क्यूबिक मीटर अधिक है। इसके अलावा, रेल नवीकरण (348.68 टीकेएम) और स्लीपर नवीकरण (337.48 टीकेएम) में भी अपने लक्ष्यों को पार कर लिया गया, जिसके बाद एनएफआर के इतिहास में सर्वाधिक प्रगति है। ट्रैक टैंपिंग 10, 672 कि.मी. (लक्ष्य से 32 प्रतिशत अधिक) तक पहुंच गया और 4, 826 प्वाइंट्स टैंप किए गए-दोनों ही अब तक की सर्वोच्च उपलब्धियां हैं। इसके अलावा, टर्नआउट नवीनीकरण के 254.50 समतुल्य सेट पूरे किए गए, और प्वाइंट्स एवं क्रॉसिंग पर संरक्षा बढ़ाने के लिए 212 डब्ल्यूसीएमएस क्रॉसिंग के साथ 196 थिक वेब स्विच लगाए गए। इन प्रयासों को 14 पीएसआर (स्थायी गति प्रतिबंध) को हटाने या शिथिल करने से पूरक बनाया गया, जिससे कुल यात्रा समय में 26.10 मिनट की बचत हुई और साथ ही बेहतर यात्री सुविधाओं के लिए 9 नए फुट ओवर ब्रिज बनाए गए। इसके अतिरिक्त, बेहतर ट्रैक परिसंपत्तियों की कुशलतापूर्वक निगरानी और प्रबंधन के लिए अद्यतन डिजिटल रजिस्टर और एकीकृत परिसंपत्ति प्रबंधन प्रणाली लागू की जा रही है।

पहलगाम के शहीदों को शिशु निकेतन एचएस स्कूल में दी गई श्रद्धांजलि

गुवाहाटी। पहलगाम में शहीद हुए लोगों की स्मृति में शुक्रवार को नारायण नगर स्थित शिशु निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। स्कूल परिसर में आज सुबह आयोजित प्रार्थना सभा में पहलगाम में हुई हृदयविदारक घटना पर सभी ने गहरा दुख प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की सद्गति के लिए कामना की। स्कूल की ओर से इस तरह की कायरतापूर्ण हत्या और निर्दोष हिंदू लोगों को निशाना बनाने की कड़ी निंदा की गई। विद्यालय ने पहलगाम हत्याकांड के मद्देनजर आगामी 26 अप्रैल को स्कूल की ओर से आयोजित होने वाले बिहू उत्सव को स्थगित कर दिया है। स्कूल की प्रधानाचार्य श्रीमती रीना भौमिक ने अपने संबोधन में क कि दुख की इस घड़ी में पूरे देश के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करता है। संपूर्ण शिशु निकेतन परिवार शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है और दिवंगत आत्माओं के लिए प्रार्थना करता है। प्रार्थना सभा में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों के अलावा शिक्षकों सहित स्कूल के कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

पहलगाम में आतंकवादी हमले के विरोध में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने किया जोरदार प्रदर्शन

विश्वनाथ (विभास)। समग्र राज्य के साथ विश्वनाथ जिले में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के खिलाफ राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन, इस्लामिक आतंकवाद मुर्दाबाद, पाकिस्तानी मुर्दाबाद के जोरदार आक्रोश में विश्व हिंदू परिषद तथा बजरंग दल विश्वनाथ जिला समिति ने आज शाम 4 बजे विश्वनाथ चारिआलि शहर के चौराहे पर विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विविध आयाम जैसे हिंदू जागरण मंच, कल्याण आश्रम असम और विविध हिंदू संगठन ने बढ़-चढ़कर विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। सर्वप्रथम एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया, जिसमें विहिप विश्वनाथ जिला के सचिव इंद्रजीत गुप्ता के संचालित कार्यक्रम में अध्यक्ष सपन राजखोवा ने दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित किया। इस मौके पर सनातन समाज के वरिष्ठ लोग और महिला बढ़-चढ़कर हिस्सा ली। लगभग दो घंटे से विरोध प्रदर्शन में उपस्थित लोगों ने हाथों में पाकिस्तान मुर्दाबाद, इस्लामीक आतंकवादी मुर्दाबाद, हिंदू बलिदान अमर हो, हिंदू के ऊपर अत्याचार बंद कीजिए आदि का पोस्टर लेकर जोरदार नारेबाजी के साथ आक्रोश व्यक्त की। साथ ही भारत माता की जय, वंदे मातरम, जयश्री राम आदि राष्ट्रवादी बुलंद आवाज से शहर का वातावरण गुंजायमान हो उठा।

नव्या लेडीज क्लब की प्रथम साधारण सभा आयोजित

गुवाहाटी। महिलाओं की अग्रणी संस्थाओं में से एक नव्या लेडीज क्लब की प्रथम साधारण सभा आठगांव में आयोजित की गई। सर्वप्रथम एक मिनट का मौन रख पहलगाम में शहीद हुए सभी पुण्यात्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। तत्पश्चात बैठक की अध्यक्षता करते हुए नवनियुक्त अध्यक्ष ज्योति भूत ने सभी सदस्याओं का स्वागत किया। उन्होंने क्लब की ओर से भावी कार्यक्रमों के आयोजन पर चर्चा की, जिसमें क्लब की ओर से *डोरी द तीज* प्रदर्शनी आयोजन पर विस्तार पूर्वक विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान क्लब की सदस्याओं ने अपने अहम सुझाव भी दिए। साधारण सभा में पदाधिकारियों एवं सदस्याओं को अलग-अलग कार्य हेतु जिम्मेदारी सौंपी गई। अंत में संयुक्त सचिव रूपाली हिम्मतसिंघा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस बैठक में निवर्तमान अध्यक्ष कुसुम जैन, कोषाध्यक्ष मीनाक्षी शर्मा सहित बड़ी संख्या में अन्य सदस्याएं मौजूद थी।

पूर्वोत्तर मारवाड़ी सम्मेलन विश्वनाथ चारिआलि शाखा की नई कार्यकारिणी गठित

विश्वनाथ (विभास)। पूर्वोत्तर मारवाड़ी सम्मेलन विश्वनाथ चारिआलि शाखा की नई कार्यकारिणी गठित करने हेतु शुक्रवार को सुदंराम महादेव घाईगांव, रॉयल एनफील्ड शोरूम आम सभा का आयोजन किया गया। मंडल सह सचिव संदीप अग्रवाल के पर्यवेक्षक में और वरिष्ठ नागरिक छत्तर सिंह पंवार के अध्यक्षता में आयोजित नई कार्यकारिणी गठन किया गया। सर्वप्रथम नई कार्यकारिणी का गठन होने से पूर्व पुराना समिति को भंग करके आगे की कार्यवाही शुरू हुई। सर्वसम्मति से अध्यक्ष के रूप में पुनः छत्तर सिंह पंवार, उपाध्यक्ष के रूप में दिलीप शर्मा, सचिव के रूप में राकेश अग्रवाल, सह सचिव के रूप में जय गोयनिका उर्फ बाबूलाल, कोषाध्यक्ष के रूप में अशोक शर्मा, और सलाहकार के रूप में शंकर लाल पारीक, जीतू पारीक, भानु प्रसाद अग्रवाल, त्रिलोक चंद जैन, जगदीश अग्रवाल को चुना गया। इसके बाद आगे की रूपरेखा चर्चा हुई। तत्पश्चात पुनः छत्तर सिंह जी पंवार को विश्वनाथ चारिआलि शाखा का अध्यक्ष चुनने के बाद उपस्थिति बधाई का तांता लगा रहा। उन्होंने कहा कि समाज के उत्थान के लिए हरसंभव कोशिश करूंगा।

चिरांग ने जागरूकता रैली के साथ विश्व मलेरिया दिवस 2025 मनाया

चिरांग। विश्व मलेरिया दिवस 2025 शुक्रवार को बल्लामगुरी बीपीएचसी के अंतर्गत अमगुरी हायर सेकेंडरी स्कूल में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया, इस वर्ष की वैश्विक थीम, *मलेरिया हमारे साथ समाप्त होता है: पुनर्निवेश, पुनर्कल्पना, पुनर्जीवन* के अनुरूप। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और क्षेत्र में मलेरिया के उन्मूलन के प्रति प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करना था। इस कार्यक्रम में एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और एक जागरूकता रैली शामिल थी, जिसमें अमगुरी हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन गतिविधियों ने मलेरिया की रोकथाम, नियंत्रण उपायों और स्वास्थ्य पहलों में सामुदायिक भागीदारी के महत्व के बारे में युवा मन को शिक्षित करने के लिए प्रभावी मंच के रूप में कार्य किया। इस समारोह में डॉ. रेजाउल करीम, संयुक्त निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, चिरांग; डॉ. द्विगेंद्र रामचियारी, जिला निगरानी अधिकारी और जिला मलेरिया अधिकारी (प्रभारी) सहित प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे; महामारी विज्ञानी, जिला डेटा प्रबंधक और विभिन्न अन्य अधिकारियों के साथ। उनकी उपस्थिति और व्यावहारिक संबोधन ने छात्रों और उपस्थित लोगों दोनों को मलेरिया के खिलाफ लड़ाई में योगदान करने के लिए प्रेरित किया।

मारवाड़ी महिला एकता मंच का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी महिला एकता मंच ने अपने शपथ विधी ग्रहण समारोह 2025-2028 का आयोजन किया। इसका आयोजन समिति ने फैंसी बाजार में श्रद्धांजली कांप्लेक्स स्थित मारवाड़ी सम्मलेन गुवाहाटी शाखा के कार्यालय में किया। इस अवसर पर अध्यक्ष सरोज मित्तल ने सभा को संबोधित करते हुए अपने पूर्व कार्यकाल के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले सदस्योंओ का सम्मान किया। कोषाध्यक्ष अंजु हवेलिया ने पिछले तीन साल का आय व्यय का व्योरा दिया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष पद की शपथ संस्थापक अध्यक्ष वंदना सोमानी द्वारा सरोज मित्तल को दिलाई गई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष सरोज मित्तल ने उपाध्यक्ष मंजु पाटनी, मंत्री सारदा केडिया, सह मंत्री सीमा सोनी, कोषाध्यक्ष रुपा गग्गड़, सह कोषाध्यक्ष अंजु हवेलिया को शपथ पाठ करवाया गया। साथ ही कार्यकारिणी सदस्योंओं को भी शपथ दिलाई गई। संरक्षक सरला काबरा तथा सांस्कृतिक मंत्री पार्वती बिडला, कोमल गुप्ता ओर सुनीता अग्रवाल के अलावा वंदना बिहानी, आशा सरावगी, जानकी चांडक, रंजु चांडक, रंजना सारडा, निर्मला गोयल, निर्मला जांगीड़, सरिता भीमसरिया, इन्द्रा घोड़ावत, अमिता अग्रवाल, सुमित्रा सोढानी, किरण मालु, मंजु मुरारका, सुमित्रा काबरा, ललीता अग्रवाल उपस्थितथी। इसकी जानकारी प्रचार मंत्री संतोष धानुका ने दी।

विभिन्न कार्यक्रमों के साथ फकीराग्राम आंचलिक 57वां रंगाली बिहू का शुभारंभ

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम हायर सेकेंडरी विद्यायल प्रांगण में आज से तीन दिवसीय कार्यक्रम के साथ फकीराग्राम अंचलिक 57वां रंगली बिहू का शुभारंभ हुआ। आज सबसे पहले दिन फकीराग्राम अंचलिक रंगाली बिहू आयोजक समिति के अध्यक्ष नजमूल हक ने बिहू का झंडा फहराया। इसके बाद समिति के सचिव प्रणव शर्मा ने शहीद वेदी पर माल्यार्पण किया। साथ ही उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर शुद्धासुमन अर्पित की। इस दौरान पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही विद्यार्थियों के बीच खेल प्रतियोगिता के साथ चित्रांकन प्रतियोगिता और क्विज का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जमुनामुख महाविद्यालय के अध्यापक एवं समाजसेवी डॉ. राजुल करीम, पीयुष चौधरी, मून बसुमतारी, डॉ. मानिक बरुवा और राजू सरकार के अलावा कई अन्य गण्यमान्य अतिथि उपस्थित थे।

संपादकीय

खून के साथ जल नहीं

कश्मीर घाटी के पहलगाम आतंकी हमले की प्रतिक्रिया में भारत की मोदी सरकार ने पाकिस्तान पर वज्र-प्रहार किए हैं। राजनयिक संबंध लगभग तोड़ दिए गए हैं और 1960 की ऐतिहासिक सिंधु जल संधि तुरंत प्रभाव से स्थगित कर दी गई है। यह संधि विश्व बैंक की मध्यस्थता से हुई थी। अब पाकिस्तान वालों को भारत आने का, किसी भी तरह का, वीजा नहीं दिया जाएगा। सार्क देश होने के कारण जो छूट थी, उसे भी रद्द कर दिया गया है। राजनयिकों को भारत छोडऩे को मात्र एक सप्ताह का वक्त दिया गया है। नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान के उच्चायोग में रक्षा, नौसेना, वायुसेना, थलसेना आदि के सलाहकारों को भी 48 घंटे में भारत छोडऩे के आदेश दे दिए गए हैं। अटारी-वाघा सीमा चेकपोस्ट को बंद कर दिया गया है। इस रास्ते से भारत में प्रवेश करने वाले पाकिस्तानी एक मई से पहले लौट जाएं। पाकिस्तान उच्चायोग में 55 कर्मचारियों की संख्या घटा कर 30 तय कर दी गई है। भारत भी इस्लामाबाद से अपने सैन्य सलाहकार और राजनयिक वापस बुला रहा है। बेशक जल संधि रोकने से तुरंत प्रभाव नहीं पड़ेगा। पानी निर्बाध होता है और भारत से बहुत सा पानी बहकर पाकिस्तान को जाता रहा है। यदि अब उसे रोकना है, तो भारत सरकार को कुछ छोटे बांध बनाने होंगे और पनबिजली परियोजनाएं भी शुरू कर पानी को बांधा जा सकता है। फिलहाल गर्मी के बाद मॉनसून के मौसम में बारिश से जल-संकट इतना महसूस न हो, लेकिन दिसंबर के सर्द मौसम से अप्रैल तक पाकिस्तान में पानी के लिए हाहाकार मच सकता है। वहां की खेती, बिजली और उद्योग सिंधु जल प्रणाली के भरोसे ही हैं। लाहौर, कराची, मुल्तान जैसे प्रमुख शहर सिंधु जल पर ही आश्रित हैं। पानी को रोक देने से 23 करोड़ से अधिक लोगों के सामने भरण-पोषण और खाद्य-संकट गहरा सकते हैं। बहरहाल मोदी सरकार ने इस बार आतंकी हमले का प्रतिशोध इस तरह लिया है, जिससे पाकिस्तान की अवाम सीधे तौर पर प्रभावी हो। कई बार सिंधु जल संधि को स्थगित करने का विचार किया गया, लेकिन अवाम को देखते हुए उस फैसले को टालना पड़ा। इस बार भारत पराकाष्ठा की मुद्रा में है। सुरक्षा संबंधी कैबिनेट कमेटी ने पाकिस्तान पर जो प्रतिघात किए हैं, उनकी स्पष्ट व्याख्या यह है कि खून के साथ जल नहीं बह सकता। जिस तरह आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते, उसी तरह आतंकिस्तान के साथ जल साझा नहीं किया जा सकता। बहरहाल पाकिस्तान पर यही पाबंदियां ही पर्याप्त नहीं हैं। भारत जीवन बचाने वाली दवाओं की आपूर्ति करता रहा है। उस पर भी तुरंत प्रभाव से रोक लगा देनी चाहिए। जिन देशों को पाकिस्तान कपड़ा और चावल भेजता है, भारत उन देशों में दखल करे। कपड़ा और चावल के उत्पादन को हम बढ़ा सकते हैं और किफायती दामों पर देशों को सप्लाई कर सकते हैं। इससे पाकिस्तान के पेट पर करारी लात पड़ेगी। इसके अलावा, जो विदेशी कंपनियां पाकिस्तान में निवेश करती हैं, भारत उन्हें साफ कहे कि यदि भारत के साथ कारोबार करना है, तो वे कंपनियां भारत में ही निवेश करें। दलील आतंकवाद की दी जा सकती है। भारत अभी दुबई, अबू धाबी में पाकिस्तानी टीम के साथ क्रिकेट खेल लेता है। इसका भी बहिष्कार किया जाए और क्रिकेट संबंध बिल्कुल ही खत्म किए जाने चाहिए। पाकिस्तान के खेल संघ दिवालिया हो जाएंगे। बताया जा रहा है कि पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकियों के 42 लॉन्चिंग पैड हैं, जहां 130-150 आतंकवादी सक्रिय हैं। पाकिस्तान यह कभी भी कबूल नहीं करेगा, लिहाजा सरकार को सैन्य प्रहार पर भी विचार करना होगा। इस बार आतंकियों के ये अड्डे नहीं, बल्कि पाकिस्तानी फौज के केंद्रों पर हमले कर उन्हें विकलांग बना देना चाहिए।

भारत भी इस्लामाबाद से अपने सैन्य सलाहकार और राजनयिक वापस बुला रहा है। बेशक जल संधि रोकने से तुरंत प्रभाव नहीं पड़ेगा। पानी निर्बाध होता है और भारत से बहुत सा पानी बहकर पाकिस्तान को जाता रहा है। यदि अब उसे रोकना है, तो भारत सरकार को कुछ छोटे बांध बनाने होंगे और पनबिजली परियोजनाएं भी शुरू कर पानी को बांधा जा सकता है। फिलहाल गर्मी के बाद मॉनसून के मौसम में बारिश से जल-संकट इतना महसूस न हो, लेकिन दिसंबर के सर्द मौसम से अप्रैल तक पाकिस्तान में पानी के लिए हाहाकार मच सकता है। वहां की खेती, बिजली और उद्योग सिंधु जल प्रणाली के भरोसे ही हैं। लाहौर, कराची, मुल्तान जैसे प्रमुख शहर सिंधु जल पर ही आश्रित हैं। पानी को रोक देने से 23 करोड़ से अधिक लोगों के सामने भरण-पोषण और खाद्य-संकट गहरा सकते हैं।

महबूबा मुफ्ती जैसे लोग चिल्ला रहे थे कि इस अनुच्छेद के हटने से कश्मीर में खून की नदियां बह जाएंगी

पहलगाम पर हमला, देश पर हमला

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

प्रदेश में पर्यटकों की संख्या में इतनी वृद्धि हुई कि होटलों में जगह तक मिलना मुश्किल हो गया। प्रदेश गुलजार होने लगा और स्थानीय लोगों के काम धंधे चमकने लगे। गुरेज घाटी जहां पहले इक्का दुक्का पर्यटक ही जाते थे, अब वहां नए नए इतने होटल बनने लगे कि विश्वास करना मुश्किल हो गया। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग में इतनी सुरंगें बन गईं कि राज मार्ग बारहों महीने चालू रखना आसान हो गया। पिछले दिनों जम्मू कश्मीर विधानसभा के लिए हुए चुनावों में जितनी ज्यादा संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया उससे महबूबा मुफ्ती तो हैरान हुई ही, उससे भी ज्यादा हैरान पाकिस्तान हुआ। पाकिस्तान को ज्यादा हैरानी तो इस बात से भी हुई कि महबूबा मुफ्ती की पार्टी बुरी तरह हार गई।

जम्मू कश्मीर में काफी लंबे अरसे से स्थिति सामान्य हो रही थी। अनुच्छेद 370 के समाप्त हो जाने से पहले महबूबा मुफ्ती जैसे लोग चिल्ला रहे थे कि इस अनुच्छेद के हटने से कश्मीर में खून की नदियां बह जाएंगी। तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं मिलेगा। लेकिन अनुच्छेद हटने के बाद घाटी में तिरंगा ज्यादा फहराने लगा था। प्रदेश में पर्यटकों की संख्या में इतनी वृद्धि हुई कि होटलों में जगह तक मिलना मुश्किल हो गया। प्रदेश गुलजार होने लगा और स्थानीय लोगों के काम धंधे चमकने लगे। गुरेज घाटी जहां पहले इक्का दुक्का पर्यटक ही जाते थे, अब वहां नए नए इतने होटल बनने लगे कि विश्वास करना मुश्किल हो गया। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग में इतनी सुरंगें बन गई कि राज मार्ग बारहों महीने चालू रखना आसान हो गया। पिछले दिनों जम्मू कश्मीर विधानसभा के लिए हुए चुनावों में जितनी ज्यादा संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया उससे महबूबा मुफ्ती तो हैरान हुई ही, उससे भी ज्यादा हैरान पाकिस्तान हुआ। पाकिस्तान को ज्यादा हैरानी तो इस बात से भी हुई कि महबूबा मुफ्ती की पार्टी बुरी तरह हार गई। शायद इसी बात से घबरा कर अब पाकिस्तान ने पहलगाम में पर्यटकों की हत्या करके खून की नदियां बहा देने का काम किया। लेकिन खून की नदी बहाने से पहले आतंकियों ने पर्यटकों का मजहब पूछा। शायद प्रमाण के लिए शिनाख्ती कागज भी चैक किए। और पक्का होने के लिए कलमा पढऩे के लिए कहा। जो कलमा नहीं पढ़ सके, उनको मार दिया। एक पर्यटक को मारने के बाद उसकी पत्नी को कहा कि जाकर मोदी को यह सब बताना। इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान के लश्कर-ए-तोईबा की संस्था टीआरएफ ने ली है। कहा जाता है हमला करने वाले चार आतंकियों में से दो पाकिस्तानी थे और दो कश्मीरी ही थे। दरअसल पाकिस्तान में बलोचों और पश्तूनों ने जब से पाकिस्तान से अलग होने का आंदोलन छेड़ रखा है तब से वहां जिन्ना के द्विराष्ट्र सिद्धांत को लेकर बहस होने लगी है। बलूचों और पश्तूनों का मजहब तो वही है जो पाकिस्तान के मुसलमान जाट व खत्री पंजाबियों का है, लेकिन इसके बावजूद उनका कहना है कि उनका इन पंजाबियों से कुछ सांझा नहीं है। मजहब सांझा होना उनके लिए कुछ अहमियत नहीं रखता। जबकि जिन्ना का कहना था कि उनका सांझा मजहब ही उन सभी को एक साथ अलग राष्ट्र बनाता है। लेकिन आज बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनखवा व सिंध में इसी को चुनौती दी जा रही है। इतना ही नहीं, यह चुनौती दिन

प्रतिदिन तेज होती जा रही है। इससे घबरा कर कुछ दिन पहले ही पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसित मुनीर ने कहा था कि हम अलग लोग हैं, हमारा हिंदुओं से कुछ नहीं मिलता। हमारी संस्कृति व विरासत हिंदुओं से अलग है। मुनीर ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि हम दो अलग अलग राष्ट्र हैं। मुनीर जानते हैं कि भारत और पाकिस्तान दो अलग अलग स्टेट हैं, लेकिन अलग अलग राष्ट्र नहीं। लेकिन अब पाकिस्तान स्टेट टूटने के लक्षण दिखाई देने लगे हैं। उसको राष्ट्र की मरहम से ही ठीक किया जा सकता है, लेकिन यह मरहम है ही नहीं क्योंकि दोनों देश एक ही राष्ट्र हैं। केवल मजहब राष्ट्र का निर्माण नहीं कर सकता। शायद मुनीर के इस सिद्धांत को ठीक सिद्ध करने के लिए ही पहलगाम में इस्लाम मजहब मानने वालों ने (आसित मुनीर का मजहब इस्लाम है) हिंदू विरासत मानने वाले लोगों की शिनाख्त करके ही उनकी हत्या की। लगता है मोदी से लडऩे के लिए पाकिस्तान ने अंत में यह रास्ता निकाला है। सारा देश स्तब्ध है। यहां तक कि अनेक मुस्लिम संगठनों ने भी पाकिस्तान की अमानवीय हरकत की निंदा की है। सऊदी अरब के राजकुमार ने इस हमले की निंदा ही नहीं की, बल्कि यह भी कहा कि इस मरहले पर उनका देश भारत के साथ खड़ा है। श्रीनगर में पाकिस्तान की इस हरकत के विरोध में हमेशा गुलजार रहने वाला लाल चौक भी पूरी तरह बंद रहा। यूनाइटिड अरब अमीरात ने इस हमले की कठोर निंदा की। यहां तक कि चीन ने भी इस हमले की निंदा की है। दुनिया भर के देशों ने इस प्रकार के आतंकी हमले में भारत के साथ खड़े होने की बात कही है। लेकिन गांधी परिवार ने इस अमानुषिक कृत्य का गहराई से विश्लेषण करने के बाद इसका जो कारण बताया है वह सचमुच चौंकाने वाला है। इससे यह भी पता चलता है कि देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी किस प्रकार के हाथों में चली गई है।

गांधी परिवार के दामाद राबर्ट वाड्रा ने खुलासा किया कि उन्हें लगता है भारत का मुसलमान अब अपने को असुरक्षित समझने लगा है, क्योंकि यहां हिंदुत्व की बात बहुत ज्यादा होने लगी है। मजहब के कारण ही मस्जिदों का सर्वे किया जा रहा है। मुसलमानों को उनके मजहब के कारण निशाना बनाया जा रहा है। उनसे शिनाख्ती कागज मांगे जा रहे हैं। वाड्रा का कहना था कि इसी हिंदुत्व के कारण पहलगाम में लोगों से मजहब पूछ कर ही उनको मारा गया। यानी यह एक प्रकार से भारत के हिंदुत्व की प्रतिक्रिया है। लगता है कांग्रेस राजनीतिक विद्वेष में इतनी विवेकहीन हो गई है कि वह देश के हितों की भी बलि देने के लिए तैयार हो गई है। उसे देश दिखाई नहीं दे रहा, बल्कि हिंदू-मुसलमान के रूप में रेंगते हुए वोट दिखाई दे रहे हैं जिन्हें वह किसी भी तरह अपनी ओर खींचना चाहती है। यही कारण है कि वाड्रा इस विदेशी हमले के औचित्य को किसी तरह सिद्ध करना चाहते हैं। शायद उसे पता नहीं कि हर भारतीय, चाहे उसका कोई भी मजहब हो, इस हमले का विरोध ही नहीं कर रहा बल्कि इसके सूत्रधारों को दंड देने की मांग भी कर रहा है। इंदौर का एक ईसाई भी केवल इसलिए मार दिया गया क्योंकि वह कलमा नहीं पढ़ सका। असम का एक हिंदू भट्टाचार्य इसलिए बच गया क्योंकि वह कलमा जानता था और उसने उसे पढ़ कर सुना दिया। जान और मौत के बीच में केवल कलमा है। पाकिस्तान का मानना है कि यदि जिंदा रहना है तो कलमा पढऩा होगा। क्या वाड्रा यह चाहते हैं कि भारत सरकार पाकिस्तान को खुश करने के लिए भारत में कलमा पढऩे की व्यवस्था कर दे? क्या भारत के हिंदू और भारत की सरकार कलमा पढऩे की व्यवस्था करे ताकि पाकिस्तान खुश हो जाए और पहलगाम जैसे हमले न करे? यह ठीक है कि वाड्रा जैसे लोगों की कोई औकात नहीं है, लेकिन जिस परिवार का वह दामाद है उसकी औकात है और अब देखना होगा कि वह अपने इस दामाद को क्या दंड देता है। दंड देता भी है या अपने पारिवारिक-राजनीतिक हितों के लिए देश के हितों को बलिदान कर देगा? गांधी परिवार को इस बार यह अग्निपरीक्षा देनी ही होगी। सैयदा महबूबा मुफ्ती का कहना है कि जिन दहशतगर्दों ने यह काम किया है, उन्हें सजा मिलनी चाहिए। महबूबा की बेटी इल्तजा ने भी कुछ इसी प्रकार की बातें की हैं। लेकिन महबूबा और उनकी बेटी भी जानती है कि समस्या चोर से नहीं, चोर तो अंततः मारा ही जाता है। इस प्रकार के मामलों में चोर की मां को मारना जरूरी होता है।

दृष्टि कोण

पहलगाम हमले के बाद रणनीतिक कदम का सवाल

हालांकि इस तरह का समर्थन पर्दे के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संयम बरतने की अपील के बावजूद है, तथ्य यह है कि यह हमला मोदी सरकार के समक्ष सुरक्षा एवं जनसंपर्कों में बहुत गंभीर चुनौती पेश करता है। पुलवामा या गलवान के विपरीत, जहां रक्षा कर्मी शहीद हुए, बैसरन में आतंकवादियों ने निर्ममतापूर्वक नागरिकों को चुन-चुनकर निशाना बनाया। इसलिए यह कहना कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि देश की निगाहें मोदी पर होंगी। यह उम्मीद की जाएगी कि वह बैसरन के अपराधियों, उन्हें सहायता देने वालों तथा प्रायोजित करने वालों को पूर्ण तथा माकूल जवाब देंगे, खासकर 2019 के बाद से जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल करने के दावों के बाद। इस कांड को अंजाम देने का दावा 'रेजिस्टेंस फ्रंट' नामक संगठन द्वारा ली गई है, जिसके बारे में माना जाता है कि वह लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से संबंधित है। जिन लोगों को भारत के खिलाफ पाकिस्तानी आतंकवाद के तौर-तरीकों के अध्ययन करने का लंबा अनुभव है, उन्हें सहज रूप से पता होगा कि इस तरह का हमला पाकिस्तानी जनरलों के खास आदेशों के बिना कभी संभव नहीं है। इसलिए, सर्वप्रथम आकलन उस वजह का बनता है जिसके कारण पाकिस्तानी जनरलों ने हमले का आदेश दिया होगा। अफगान तालिबान के साथ भारत के संबंधों में प्रगति से वे नाखुश हैं, इस पर उन्होंने काफी नज़र बनाए रखी है। वे भारत को तहरीक-ए-तालिबान-ए-पाकिस्तान और बलूच विद्रोही समूहों की मदद करने में जिम्मेदार मानते हैं। इस सबके अलावा 11 मार्च को 'जाफर एक्सप्रेस' पर बलूच लिबरेशन आर्मी के हमले के बाद भारत के प्रति उनका गुस्सा और तीव्र हुआ। पाकिस्तानी सेना ने उस हमले के लिए भारत को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। हालांकि पाकिस्तानी प्रतिष्ठान और उसके विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया अधिक संयमित और सतर्क थी। जाफर एक्सप्रेस पर हमले के बाद पाकिस्तान में जो कुछ हुआ उसके तमाम पहलुओं का अध्ययन करने के बाद इस लेखक ने गत 21 मार्च को 'फर्स्टपोस्ट' में एक लेख लिखा। इसका समापन पैराग्राफ बैसरन हमले में प्रासंगिक है और इस प्रकार है : 'बीएलए हमले के तुरंत बाद, पाकिस्तानी सेना ने कहा कि इसके साथ 'खेल के नियम बदल गए हैं'। चौधरी (लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी, महानिदेशक, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस) से एक प्रेस वार्ता में इन शब्दों की व्याख्या करने के लिए कहा गया था। इस पर उन्होंने जो शब्द कहे उन पर भारतीय विश्लेषकों और नीति-निर्माताओं को बारीकी से ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा : 'बीएलए और (आतंकी समूहों) से उसी तरह निपटा जाएगा जिसके वे 'हकदार' हैं और यही बात उनके सूत्रधारों और उकसाने वालों पर भी लागू है, चाहे वे पाकिस्तान के अंदर हों या बाहर'। पाकिस्तानी सेना अपना हिसाब चुकता करने में 'बदल' (जिसका पश्तो में अर्थ है बदला) परंपरा का पालन करती है। भारत के खिलाफ यही करती आई है, वह बात अलग है इस चक्कर में उन्होंने देश को कंगाल बना डाला। टकराव के अलावा उसे कोई राह न सूझती। यह उनकी फितरत का हिस्सा है व हरेक सेना प्रमुख को यही दिखाना होता है कि 'माकूल जवाब' देने में वह सबसे आगे है, खासकर उस संस्था पर हमले के मामले में, जिसका वह नेतृत्व करता है, जिसको लेकर राय या गलतफहमी पाले रखता है कि यह भारत का काम है। ऐसे में, संभव है कि पाकिस्तानी सेना निकट भविष्य में भारत में किसी आतंकवादी घटना को प्रायोजित करने का प्रयास करे।

कुछ अलग

ऋणे कृत्वा घृतम पिवेत

ऋण करके घी पीने की परंपरा हमारे यहां अनादि काल से चली आ रही है। पूर्वजों की इस पावन परंपरा को मैंने हृदय से अंगीकार किया है। यदि मैं ऋण करके घी नहीं पी भी सकूं, तो कम से कम ऋण घर खर्च चलाने में बड़ी सहायता करता है। बच्चे भी सामान्य रूप से परेशान नहीं रहते। पिछले दिनों कफ्र्यू लगा तो पड़ोसी से मैंने चार सौ रुपए बतौर उधार देने का प्रस्ताव किया तो वह थोड़ा संवेदनशील था, फटाफट ले आया। साथ ही यह भी कहा कि और जरूरत हो तो बता दीजिए। मुझे बड़ा पछतावा हुआ कि मैंने आठ सौ ही क्यों नहीं मांग लिए। मेरे पड़ोस में ही दानवीर कर्ण रहता है और मुझे पता ही नहीं चला। मैंने उसके कथन को स्मरण रखा तथा कफ्र्यू जब लंबा खिंचने लगा तो चौथे ही दिन फिर ऋण की मांग रख दी। मैं भी कफ्र्यू में मिली ढील की अवधि में घी ले आया। हालांकि घी का भाव दुकानदार मनमाना ले रहा था, परंतु मुझे परवाह किस बात की, दानवीर कर्ण से उधार मार लाया था, सो महंगा भी खरीद लाया। पत्नी ने देसी घी देखा तो जल-भुन गई, बोली-'मसाले व दालें लानी थी और ले आए यह घी, क्या करूं इस मुए का?' मैंने कहा-'इतनी अधीर क्यों होती हो? ऋण की राशि से घी लाया जाता है, इसलिए हलुवा घोट दो।' पत्नी थोड़ी ज्यादा ही समझदार है, सो बोली-'थोड़ी शरम तो करिए, कफ्र्यू में हलुवा खाएंगे, अच्छा थोड़े ही लगेगा?' मैंने कहा-'हमारे ऋषि-मुनि तो उधारी में घी पीने की बात कह गए हैं। तुम घी नहीं पिला सको तो कम से कम उसका हलुवा तो खिला दो।' 'लेकिन बच्चों की तथा घर की अन्य बीस जरूरतें हैं, यदि उन्हें निपटाते तो ज्यादा ठीक रहता।' वह हलुवा बनाते डर रही थी। मैंने कहा-'तुम यदि हलुवा नहीं बना सकती तो साफ कहो, मैं बना लेता हूं।' वह बोली-'हलुवा सेंकते मेरे हाथ कांप रहे हैं और भीतर से मन बैठ रहा है। आप ही बना लीजिए।' मैंने कहा-'चलो हटो।' मैंने कड़छी में घी डाल कर चून को सेंकना शुरू किया तो उसकी गंध से दानवीर कर्ण विचलित हो उठा और लपककर मेरी रसोई में प्रवेश कर गया। आते ही बोला-'क्या कर रहे हो शर्मा जी?' मैं कोई कम खिलाड़ी तो था नहीं। बिना किसी संकोच के मैंने कहा-'क्या बताएं, पड़े-पड़े बोर हो गए, सोचा थोड़ा देसी घी का हलुवा ही बना डालें। बच्चों को बाजार से कुछ लाना हो नहीं पा रहा है। सो घर में मीठा बना दिया।' 'परंतु आप यह तो समझिए कि अभी कफ्र्यू टूटने के आसार नहीं हैं। मैं खुद तंग हो गया हूं। आप तो पहले ही तंग थे, यदि इस तरह हलुवा घोटते रहे तो समस्या खड़ी हो जाएगी।' वे बोले। मैंने कहा-'आप घबराइए नहीं। अब आपको तकलीफ नहीं दूंगा। वर्मा जी आए थे। कह गए हैं किसी चीज अथवा रुपए-पैसों की जरूरत हो तो बता दीजिएगा। सोचता हूं खुद आमंत्रण दे गए हैं तो उन्हें भला निराश क्यों करूं। कल उन्हें तकलीफ दे दूंगा।' वे बोले-'लेकिन फिर देना भी तो आपको ही पड़ेगा। व्यर्थ में क्यों ऋणी हो रहे हैं।' मैंने कहा-'क्या करें सा'ब। इस महंगाई में जब तक काम ही नहीं चलता, मैं ऐसे लोगों से तो उधार लेता नहीं, जो आज उधार दिया और कल मांग लें। मैं तो आप जैसे व्यावहारिक महापुरुषों से ही उधार लेता हूं, जिन्हें देर-सबेर जब सुविधा हो तब दे दें। आप तो घर के आदमी हैं, जिन लोगों में तनिक शिष्टता ही नहीं, उनसे उधार मांगना मेरी आचार-संहिता में नहीं है।' वे बोले-'वह तो सही है, परंतु मैं कौनसा लखपति हूं। मैं भी नौकरीपेशा हूं आप ही की तरह। कल एक-दूसरे को जरूरत हो ही सकती है।'

देश दुनीया से

प्रशिक्षक को सही प्रबंधन दो

किसी भी विद्या के विद्यार्थी को किसी भी स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए उस विद्या का शिक्षक-प्रशिक्षक भी उच्च स्तर का होना चाहिए और उसे इस कार्य के लिए प्रबंधन भी काफी स्तरीय चाहिए होता है। आज अभिभावक खेलों में भी अपने बच्चों का कैरियर देख रहा है, क्योंकि खेल आज अपने आप में एक प्रोफैशन है। मानव द्वारा विज्ञान में बहुत प्रगति कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा के क्षेत्र में नए-नए सफल शोध कर जीवनशैली को काफी आसान व सुविधाजनक बना लिया गया है मगर शिक्षण व प्रशिक्षण में शिक्षक व प्रशिक्षक की भूमिका का महत्व आज भी वही है जैसा हजारों साल पहले था। महाभारत में कृष्ण सारथी नहीं होते तो क्या अर्जुन भीष्म, कर्ण व अन्य अजेय महारथियों को हरा पाता। विश्व स्तर पर किसी खेल विशेष में सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए क्षमतावान प्रशिक्षक का होना बेहद जरूरी होता है। हमारे यहां खेल प्रशिक्षण के लिए वह वातावरण ही नहीं बन पाया है जिसमें प्रशिक्षक खिलाड़ी से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट परिणाम दिला सके। खेल प्रशिक्षण दस साल से भी अधिक समय तक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। इतनी समय अवधि खेल प्रशिक्षण को देकर ही खिलाड़ी अपने प्रदेश व देश को गौरव दिला पाता है। हिमाचल प्रदेश में लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम का कोई भी प्रावधान अभी तक नहीं बन पाया है। हिमाचल प्रदेश राज्य युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के प्रशिक्षकों को कभी विभिन्न विभागों की भर्तियों में ड्यूटी तो कभी मेलों व उत्सवों में हाजिरी भरनी पड़ती है। खेल प्रशिक्षक की नियुक्ति ही उच्च खेल परिणामों के लिए की गई होती है, मगर यहां पर प्रशिक्षकों को केवल मल्टीपर्पज कर्मचारी बना दिया गया है। हिमाचल प्रदेश के अधिकतर प्रशिक्षकों का कार्य उच्च खेल प्रशिक्षण से हट कर अपनी फिटनेस तथा सेना में भर्ती कराने तक सीमित हो गया है।

हिमाचल प्रदेश के मेलों व उत्सवों में किसी और खेल का प्रशिक्षक किसी और ही खेल की प्ले फील्ड में नजर आता है। इसी तरह पुलिस आदि विभागों की भर्तियों में एथलेटिक्स प्रशिक्षकों की ड्यूटी तो समझ आती है, मगर वहां तो हर खेल के प्रशिक्षक को भेज दिया जाता है। नियमानुसार इन भर्तियों के लिए एथलेटिक्स प्रशिक्षक ही सक्षम है, क्योंकि इस टैस्ट में केवल एथलेटिक स्पर्धाओं को ही रखा गया है। ऐसे में एथलेटिक्स प्रशिक्षक की ड्यूटी तो समझ आती है, मगर वहां अन्य खेलों- कुश्ती, मुक्केबाजी, हैंडबाल व वॉलीबाल आदि के प्रशिक्षक का क्या औचित्य है, इस बात का उत्तर किसी के भी पास नहीं है। विभिन्न सरकारों ने खेल ढांचे में काफी तरक्की भी की है, मगर क्षमतावान प्रशिक्षकों की नियुक्ति के बारे में हिमाचल में अभी तक कुछ भी नहीं हो पाया है। स्तरीय प्रशिक्षकों के बिना उत्कृष्ट प्रदर्शन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। जो प्रशिक्षक खेल प्रशिक्षण से दूर रह कर मौज-मस्ती कर रहा है, वह तो खुश रहता होगा, मगर जो सच ही में प्रशिक्षण करवा रहा होगा, वह जब कई दिनों तक खेल मैदान से दूर रहेगा तो फिर कौन अभिभावक अपने बच्चे को बिना प्रशिक्षक के

मैदान में भेजेगा। हद तो तब हो जाती है जब राज्य में चल रहे खेल छात्रावासों में नियुक्त प्रशिक्षकों की ड्यूटी भर्तियां में लगा दी जाती है और खेल छात्रावास में रह रहे खिलाडिय़ों को भी खेल प्रशिक्षण से दूर कर दिया जाता रहा है। क्या प्रतिभा खोज से चयनित इन अति प्रतिभाशाली खिलाडिय़ों को प्रशिक्षक से कुछ समय के लिए ही सही, इस तरह प्रशिक्षण कार्यक्रम से दूर करना कहां तक उचित है? खेल छात्रावासों में नियुक्त प्रशिक्षकों की ड्यूटी खेल प्रशिक्षण के सिवा और कहीं भी नहीं होनी चाहिए। आजकल हर शिक्षित मां-बाप के दो और कई जगह तो एक ही बच्चा है, ऐसे में वह उसे उस क्षेत्र में उच्चत्तम शिखर तक ले जाना चाहता है जिसमें बच्चे की रुचि व उस क्षेत्र के लिए पर्याप्त प्रतिभा भी हो। आज का अभिभावक अपने बच्चों के कैरियर की खातिर ही सरकार की मुफ्त शिक्षा सुविधाओं को छोडक़र निजी क्षेत्र की महंगी, मगर अधिक गुणवत्ता वाली शिक्षा के लिए लाखों रुपए खर्च कर रहा है। आज लाखों प्रतिभाशाली विद्यार्थी निजी कोचिंग संस्थानों में डाक्टर व इंजीनियर बनने इसलिए जमा दो की परीक्षा से कई वर्ष पहले पहुंच रहे हैं। इसी तरह अब खेल क्षेत्र में भी हो रहा है। अभिभावक अपने बच्चों के लिए खेलों में भी कैरियर तलाश रहा है और इस सबके लिए अच्छी खेल सुविधाओं के साथ-साथ उच्च स्तरीय प्रशिक्षक भी लगातार कई वर्षों तक उसके बच्चों को मिलना चाहिए ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता बनने का सफर सफलतापूर्वक पूरा कर सकें। इसलिए देश में निजी खेल अकादमियों का चलन भी बढ़ रहा है। गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी के विश्व स्तर के परिणाम सबके सामने हैं। यह सब लगातार अच्छे प्रशिक्षण कार्यक्रम का ही नतीजा है। इस समय विभिन्न खेलों के लिए देश में निजी स्तर पर कई अकादमियां शुरू हो चुकी हैं। इन खेल अकादमियों को अधिकतर पूर्व ओलंपियन चला रहे हैं और यहां से अच्छे खेल परिणाम भी मिल रहे हैं। इन अकादमियों में जो विशेष है, वह यह है कि यहां उच्च क्षमता वाला प्रशिक्षक लगातार उपलब्ध है। हिमाचल प्रदेश के पास आज विभिन्न खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड तैयार हैं। वहां पर या तो प्रशिक्षक हैं ही नहीं और जहां हैं भी वे या तो प्रशिक्षण से बेरुख हैं या उनमें अच्छे स्तर के खेल परिणाम दिलाने की क्षमता ही नहीं है। क्या हिमाचल सरकार पंजाब, गुजरात आदि राज्य की तरह उत्कृष्ट खेल परिणाम दिलाने वाले बढिया प्रशिक्षकों को यहां लगातार कई वर्षों के लिए अनुबंधित कर प्रदेश के खिलाडिय़ों को राज्य में ही प्रशिक्षण सुविधा दिला कर खेल प्रतिभा का पलायन रोक नहीं सकती है? इससे प्रदेश में खेल वातावरण बनेगा तो हर खेल प्रशिक्षक प्रेरित होकर चाहेगा कि उसके शिष्य भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करें। इस सबके लिए खेल विभाग व जहां प्रशिक्षक प्रशिक्षण करवा रहा है, वहां उसे सही प्रबंधन देकर प्रशिक्षण कार्यक्रम से जोडऩा होगा, तभी पहाड़ की संतानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के सही मौके मिलेंगे।

आप का नजरीया

भारत को बड़ी चुनौती

जम्मू और कश्मीर राज्य के पहलगाम की बैसरन घाटी में मंगलवार को पर्यटकों पर आतंकवादियों ने अंधाधुंध फायरिंग करके 26 लोगों की नृशंसतापूर्वक हत्या कर दी और 20 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। इस घटनाक्रम का दुखद पहलू यह है कि आतंकियों ने जानबूझकर हिंदू पुरुषों को निशाना बनाया है। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत के लोगों में भारी रोष है तो वहीं पाकिस्तान ने इस पूरे घटनाक्रम से अपना पल्ला ही झाड़ लिया है। यजुर्वेद में लिखा गया है कि, 'पृष्ठीर्मे राष्ट्रम्' अर्थात राष्ट्र मेरी पीठ है, मेरा बल है। साथ ही यजुर्वेद में ही यह भी बताया गया है कि, 'वयं राष्ट्रे जागृयाम पुरोहिताः', इसका अर्थ है कि हम अपने राष्ट्र का सावधान होकर नेतृत्व करें। 1980 में पंजाब में आतंकवाद में बढ़ोतरी और खात्मे से शुरू होकर 1989 से जम्मू-कश्मीर में बढ़ते आतंकवाद के बाद कश्मीरी पंडितों का घाटी से पलायन, मुंबई में 26 नवंबर 2008 की आतंकवादी घटना, जिसमें 166 निरीह नागरिक मारे गए थे या फिर 14 फरवरी 2019 को पुलवामा की आतंकवादी घटना में सीआरपीएफ के 44 जवानों की शहादत जैसी अनंत घटनाएं स्पष्ट करती हैं कि पाकिस्तान से सख्ती से निपटना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत बन चुकी है, जिसमें सीमापार बड़ी सैन्य कार्रवाई भी अपेक्षित और अनिवार्य है। भारतीय नेतृत्व पिछले कई वर्षों से पाक प्रायोजित आतंकवाद का संयुक्त राष्ट्र संघ में कड़ा प्रतिरोध करता आया है। भारत में आतंकवाद के बेतहाशा बढ़ते खतरे के मद्देनजर 1996 में भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ से अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक संधि सीसीआईटी (दी कोम्प्रिहेन्सिव कन्वेन्शन ऑन इंटरनेशनल टेररिजम) को अपनाने का प्रस्ताव रखा था। यह बेहद अफसोस की बात है कि संयुक्त राष्ट्र संघ अभी भी आतंकवाद की परिभाषा तय करने के सवाल पर अटका हुआ है। चूंकि भारत लंबे समय से सीमापार आतंकवाद से पीड़ित है, इसलिए भारत सीसीआईटी संधि को संयुक्त राष्ट्र संघ के 193 सदस्य देशों द्वारा मंजूरी देने के लिए प्रयासरत है क्योंकि इस प्रस्ताव के लागू होने से हस्ताक्षरकर्ता सदस्य देश बाध्यकारी होंगे कि वे आतंकवादी समूहों को धन और सुरक्षित आश्रय नहीं दे पाएंगे। इस कानून के अंतर्गत सभी आतंकवादी समूहों पर प्रतिबंध लगाया जा सकेगा और आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों को बंद करने के साथ-साथ आतंकवादियों पर मुकदमा भी चलाया जा सकेगा। इस संधि के प्रावधानों से कई देशों के हित प्रभावित होते हैं, इसलिए वे इतने लंबे समय से इस प्रस्ताव को लटकाए हुए हैं। रक्षा विशेषज्ञों का स्पष्ट कहना है कि पिछले कई दशकों से पाकिस्तान आतंकवाद का वैश्विक केंद्र बना हुआ है, इसलिए पाकिस्तान को कूटनीतिक, फौजी और सामरिक स्तरों पर सबक सिखाया जाना जरूरी हो गया है। भारत सरकार ने फौरी तौर पर पाकिस्तान पर कुछ बंदिशें लागू की हैं। हमारी सक्षम सशस्त्र सेनाओं को पाकिस्तान में घुसकर एक्शन के लिए खुली छूट देने की जरूरत है।

पहलगाम हमले के बाद सोशल मीडिया पर नजर, भड़काउ पोस्ट पर होगी कार्रवाई

धौलपुर (हिंस)। जिले में अपराधों पर अंकुश लगाने एवं कानून व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ करने के लिए पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट के सभागार कक्ष में क्राइम मीटिंग ली। एसपी ने क्राइम मीटिंग के दौरान जिले की कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि पहलगाम में आतंकी हमल के बाद में सोशल मीडिया पर नजर रखें तथा भड़काउ पोस्ट पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही संपत्ति संबंधी अपराधों, अभ्यस्त अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोलने, गुंडा एक्ट राजपाशा एक्ट में कार्रवाई करने तथा लोक सेवकों के साथ मारपीट के मामलों में कार्रवाई के निर्देश दिए गए। उन्होंने थानाधिकरियों को रात्रि गश्त पर विशेष सतर्कता बरतने के साथ-साथ क्षेत्र में घटनाओं को रोकने के लिए और अधिक ठोस कदम उठाने का निर्देश दिए। इसके साथ भी उन्होंने जिले में अवैध हथियार, अवैध शराब, नशीली पदार्थों के कारोबार तथा अवैध कार्यों को करने वालों पर सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रतिबंधित चम्बल बजरी सहित संगठित अपराधों की रोकथाम में और अधिक प्रभावी कार्रवाई, यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए गए।

स्वदेश लौटने के लिए अटारी बॉर्डर पर पाकिस्तानी नागरिकों का हंगामा

पाकिस्तान में ब्याही भारतीय मूल की महिलाओं की वापसी में आई दिक्कत

चंडीगढ़ (हिंस)। पाकिस्तानी नागरिकों को देश से बाहर किए जाने के आदेश के बाद शुक्रवार को दूसरे दिन अटारी बॉर्डर पर दिनभर गहमा-गहमी का माहौल बना रहा। यहां पाकिस्तानी नागरिकों ने अपने देश में वापस जाने के लिए काफी हंगामा किया। जांच के दौरान पता चला कि कईयों की वीजा अवधि भी समाप्त हो चुकी थी, लेकिन इसके बावजूद वह भारत में रूके हुए थे। ऐसे पाकिस्तानी नागरिक शुक्रवार को जब अटारी बॉर्डर पर पहुंचे तो बीएसएफ व कस्टम अधिकारियों ने इनको रोक लिया। अटारी बॉर्डर पर आज करीब एक दर्जन ऐसी महिलाएं पहुंची, जिनका मायका भारत में है और शादी पाकिस्तान में हुई है, लेकिन उन्हें पाकिस्तान की नागरिकता नहीं मिली है। आदेश हैं कि भारतीय पासपोर्ट वालों को पाकिस्तान ना जाने दिया जाए। राजस्थान के जोधपुर की रहने वाली अफसीन जहांगीर की शादी कराची में हुई थी। बच्चे पाकिस्तानी नागरिक हैं, इसलिए उन्हें तो बॉर्डर पार कर जाने दिया गया, लेकिन अफसीन को रोक दिया गया। दिल्ली की अरूदा की शादी बीस साल पहले पाकिस्तान में हुई थी। उनके दो बच्चे हैं, जो पाकिस्तानी नागरिक हैं। अरूदा के पति उनको लेने के लिए आज लाहौर से बाघा बॉर्डर आए थे। उन्होंने बताया कि उनकी बीवी एक महीने के लिए अपने मां-बाप से मिलने भारत आई थी। 27 तारीख की वापसी का टिकट था, लेकिन हालात देखकर चार दिन पहले ही निकलने की कोशिश की, लेकिन आज बॉर्डर पर रोक दिया गया। शनिजा की शादी 15 साल पहले कराची में हुई थी। वे दिल्ली में अपने माता-पिता से मिलने आई थीं, लेकिन अब जब वे वापस पाकिस्तान लौटना चाह रही हैं, तो आज उन्हें अटारी बार्डर पर रोक लिया गया। शनिजा के अनुसार उनके शौहर वाघा बॉर्डर के उस पार इंतजार कर रहे हैं और वह गुरुवार रात से अटारी बॉर्डर पर बैठी हैं।

आतंकी हमले के विरोध में पलवल में निजी स्कूलों का आक्रोश प्रदर्शन

पलवल (हिंस)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी घटना के विरोध में शुक्रवार को पलवल के सैकड़ो की संख्या में निजी स्कूल और हजारों बच्चे सड़क पर उतरे और जिला सचिवालय जाकर प्रधानमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। प्राइवेट प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के तत्वाधान में हुए इस आक्रोश प्रदर्शन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुई आतंकी घटना के विरोध में आज पलवल जिले में निजी स्कूलों ने जोरदार आक्रोश प्रदर्शन किया। सैकड़ों निजी स्कूलों के शिक्षक और हजारों छात्र-छात्राएं सड़कों पर उतर आए और देश विरोधी ताकतों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन का आयोजन प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के तत्वावधान में किया गया, जिसमें शामिल लोगों ने जिला सचिवालय पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से प्रधानमंत्री से पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी और निर्णायक कार्रवाई की मांग की गई।

सामाजिक व धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई : डीसी

सोशल मीडिया पर गलत पोस्ट डालने वालों पर रहेगी नजर

झज्जर (हिंस)। जिला उपायुक्त प्रदीप दहिया ने शुक्रवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक, व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों सहित गणमान्य व्यक्तियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। जम्मू कश्मीर में हुई आतंकी घटना की सभी ने कड़ी निंदा करते हुए अपने जिले में सामाजिक और धार्मिक सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया गया। डी.सी ने बैठक में सभी से अपने जिले में शांतिपूर्ण माहौल में बनाने रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसी को अवांछित गतिविधि और गैर कानूनी कार्य करने की छूट नहीं दी जा सकती। आरोपी से प्रशासन पूरी सख्ती के साथ निपेटगा। डीसी ने कहा कि जिला प्रशासन पूरी तरह सजग और सतर्क है। जिले में माहौल पूरी तरह से शांतिपूर्ण है। बैठक में सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर पुलिस द्वारा निगरानी की जा रही है। डीसी ने कहा कि व्हाट्सएप ग्रुप या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए अफवाह फैलाने वाले संदेश या सौहार्द बिगाड़ने वाली सामग्री भेजने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। ऐसे मामलों में व्हाट्सएप ग्रुप के एडमिन के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की जाएगी। बैठक में धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक, व्यापार मंडल सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने पहलगांव में हुई आतंकी घटना में मृतकों के प्रति भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। डीसीपी लोगेश कुमार पी ने कहा कि अवांछित गतिविधि का पत्ता चलते ही तत्काल पुलिस को सूचित करें। डायल 112 का उपयोग करें, अपने नजदीक के पुलिस थाना या चौकी में सूचना दें। पुलिस त्वरित कार्रवाई करेगी। बैठक में एसडीएम रविंद्र यादव, सीटीएम रविंद्र मलिक, डीआरओ प्रमोद चहल, डीआईपीआरओ सतीश कुमार, चेयरमैन नप बेरी देवेंद्र प्रधान, सुनीता चौहान, अंजू चेयरपर्सन ब्लॉक बेरी, हरिप्रकाश यादव, राकेश अरोड़ा व्यापार मंडल, हसन अली, मोहम्मद नाजिम सहित गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

राजस्थान में पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में उबाल, कई शहरों में बाजार बंद

जयपुर (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की नृशंस हत्या ने पूरे राजस्थान को झकझोर दिया है। इस बर्बर हमले के विरोध में प्रदेशभर में आक्रोश की लहर दौड़ गई है। आमजन, व्यापारिक संगठन और हिंदू संगठनों ने मिलकर विभिन्न जिलों में शुक्रवार को विरोध-प्रदर्शन किए और बाजार बंद रखे। सीकर में व्यापार संघ सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों ने बंद का समर्थन किया। हालांकि आपातकालीन सेवाएं जैसे मेडिकल और पेट्रोल पंप खुले रहे। परीक्षाओं के चलते स्कूल खुले रहे, लेकिन कई निजी स्कूलों ने अन्य कक्षाओं की छुट्टी घोषित कर दी। फतेहपुर रोड पर बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने सब्जी ठेलों को बंद कराने का प्रयास किया, जिस पर पुलिस से उनकी बहस हो गई। पुलिस ने समझाइश कर मामला शांत कराया। कोटा में बंद को व्यापार महासंघ और स्कूल एसोसिएशन का समर्थन मिला। भामाशाह

मंडी और पेट्रोल पंपों पर दो घंटे काम बंद रहा। महावीर नगर थर्ड में एक फाइनेंस कंपनी के खुले होने पर हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने जबरन उसे बंद करवाया, जिसमें धक्का-मुक्की हुई। श्रीगंगानगर के बॉर्डर इलाके में बीएसएफ की गश्त और चौकसी बढ़ा दी गई है। अत्याधुनिक कैमरों से हर मूवमेंट पर नजर रखी जा रही है। पुलिस थानों में हथियारबंद जवान तैनात हैं और हर आने-जाने वाले वाहन की गहन जांच की जा रही है। हनुमानगढ़ में हिंदू समाज, व्यापारिक और धार्मिक संगठनों ने एकजुट होकर बंद को समर्थन दिया। सभी प्रतिष्ठान स्वेच्छा से बंद रहे। उदयपुर के झाड़ोल कस्बे में व्यापार मंडल और सर्व समाज की अगुवाई में रैली निकाली गई। कोर्ट चौराहे पर प्रदर्शन कर मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई और एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर आतंकियों को कड़ी सजा देने की मांग की गई। जैसलमेर में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान विरोधी प्रदर्शन किया। हनुमान चौराहे पर पाकिस्तान का झंडा और आतंकवाद का पुतला जलाया गया। आमजन की यही मांग है कि दोषियों को सख्त से सख्त सजा दी जाए और भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हो, इसके लिए कड़े कदम उठाए जाएं। हमले के बाद राजस्थान पुलिस मुख्यालय ने पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। एडीजी लॉ एंड ऑर्डर विशाल बंसल ने सभी जिलों के एसपी, डीसीपी और कमिश्नरों को आदेश देते हुए पुलिस जवानों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं।

बीएसएफ ने भारत-पाक सीमावर्ती गांवों में चलाया सर्च आपरेशन

चंडीगढ़ (हिंस)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद बीएसएफ भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे इलाकों में सख्ती बरत रहा है। इसी कड़ी में बीएसएफ ने पंजाब के सीमावर्ती जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में नाकाबंदी करके सर्च आपरेशन चलाया है। साथ ही अपनी क्विक रिएक्शन टीमों को सक्रिय कर दिया है। पंजाब के अमृतसर, तरनतारन, गुरदासपुर, फाजिल्का, पठानकोट व फिरोजपुर आदि जिलों में बहुत से गांव ऐसे हैं, जहां के किसानों की आधी जमीनें पाकिस्तान में और आधी भारत के अधिकार क्षेत्र में आती हैं। बीएसएफ ने इलाके में अतिरिक्त जवानों की तैनाती करने के साथ ही साथ-साथ सीमा से सटे गांवों में भी पेट्रोलिंग और तलाशी अभियानों को बढ़ाया गया है।

काशी में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को नोटिस, जल्द छोड़ना पड़ सकता है शहर

वाराणसी (हिंस)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद वाराणसी जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। शहर के संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों-रेलवे स्टेशन, बस अड्डे, घाटों और प्रमुख बाजारों-पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं और लगातार निगरानी कर रही हैं। इसी के तहत, वाराणसी में रह रहे 10 पाकिस्तानी नागरिकों को नोटिस जारी किया गया है। प्रशासन की ओर से कहा गया है कि जैसे ही शासन स्तर से अंतिम दिशा-निर्देश मिलेंगे, उन्हें शहर छोड़ना होगा। पुलिस कमिश्नरेट के अनुसार इन 10 पाकिस्तानी नागरिकों में महिलाएं भी शामिल हैं। इनमें से एक वृद्ध महिला हिन्दू हैं और महमूरगंज क्षेत्र में अपने बेटे के साथ रहती हैं। उनके दो बेटे पाकिस्तान में हैं। नोटिस मिलने के बाद से वह महिला काफी उदास बताई जा रही हैं। इसी तरह कराची निवासी एक 85 वर्षीय वृद्ध शिवपुर में अपने भांजे से मिलने आए हैं। वे 45 दिन के विज़िटर वीज़ा पर भारत आए हैं, जिसमें से 40 दिन पूरे हो चुके हैं। बताया गया

कि उनका परिवार भारत-पाक विभाजन के समय यहीं बस गया था और वह अपनी बहन से मिलने अक्सर वाराणसी आते रहते हैं। गौरतलब हो कि पहलगाम की आतंकी घटना के बाद केंद्र सरकार के सख्त आदेश के क्रम में काशी में आए हुए पाकिस्तानी नागरिकों के परिजन व रिश्तेदार कोतवाली स्थित एलआईयू के कार्यालय में पहुंचे। सभी ने अपनी बात रखी। अफसरों ने कहा कि शासनादेश आने के बाद उन्हें शहर छोड़ना पड़ेगा।

बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त (संशोधन) नियमावली 2025 सहित 34 एजेंडों पर मुहर

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार संपन्न मंत्रिमंडल की बैठक में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने बड़ा फैसला लिया है। मौखिक सहमति के आधार पर पूर्व में किए गए बदलैन को भी अब आधार माना जायेगा। इसके लिए बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त (संशोधन) नियमावली 2025 की स्वीकृति के साथ कुल 34 एजेंडों पर मुहर लगाई है। बिहार कैबिनेट ने आज 25 अप्रैल की बैठक में बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त (संशोधन) नियमावली 2025 की स्वीकृति दी है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के एजेंडा में बताया गया है कि बिहार में रैयती एवं अन्य प्रकार की भूमि का नया अधिकार अभिलेख (खतियान) एवं भू मानचित्र (नक्शा) निर्मित किया जा रहा है। भूमि के सर्वेक्षण एवं बंदोबस्ती के क्रम में यह महसूस किया गया है कि सर्वेक्षण में 100 फीसदी शुद्धता, पारदर्शिता एवं गतिशीलता सुनिश्चित करना जरूरी है। इसके लिए बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त संशोधन नियमावली 2012 के अंतर्गत खानापूरी दल को अन्य तथ्यों के साथ-साथ मौखिक सहमति के आधार पर पूर्व से क्रियान्वित बदलैन को भी आधार मानने संबंधी प्रावधान किया जाना उचित है। ऐसे में बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त संशोधन नियमावली 2025 की स्वीकृति दी जाती है। नीतीश कैबिनेट की बैठक मे पर्यटन विभाग के अंतर्गत में मां सीता का मंदिर से जुड़ा महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। सीतामढ़ी जिले में अवस्थित मां सीता की जन्मस्थली, पुनौराधाम के श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र, अयोध्या के अनुरूप समग्र विकास हेतु डिजाईन कंसलटेंट के रूप में मेसर्स डिजाईन एसोसिएट्स इन्कॉरपोरेटेड, नोएडा का मनोनयन के आधार पर चयन किये जाने की स्वीकृति कैबिनेट ने प्रदान की है। आज की बैठक में कई विभागों में सरकार ने नए पद सृजित किए हैं। नगर विकास विभाग में एकीकृत शहरी अभियंत्रण संगठन के 71 कार्यालयों के सुचारू रूप से संचालन के लिए 663 विभिन्न कोटि के गैर तकनीकी पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। इस पर प्रतिवर्ष 35 करोड़ 27 लाख 48 344 रू खर्च होंगे। राज्य के उपभोक्ताओं को बिजली बिल पर सब्सिडी देने के लिए 15, 995 करोड़ रुपए के अनुदान पर मुहर लगाई गई। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए यह मंजूरी दी गई। महाधिवक्ता कार्यालय में 34 स्थाई पद तथा संविदा आधारित 6 पद कुल 40 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में अपर जिला भू अर्जन पदाधिकारी के 104 पद एवं राजस्व अधिकारी सह कानूनगो (भू अर्जन) के 81 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। बिहार खेल विश्वविद्यालय राजगीर में विभिन्न कोटि के 244 नए पदों का सृजन किया गया है। मुख्यमंत्री की यात्रा के दौरान जो वादे किए गए थे, उनके अनुसार बिहार के 8 जगहों (मधुबनी, गोरौल, शाम्हों, इमामगंज, अधौरा, कटोरिया, असरगंज और चकाई) में नए डिग्री कॉलेज खोले जाएंगे। इन कॉलेजों के लिए कुल 526 पदों को मंजूरी दी गई है। इनमें से 422 पद शिक्षक वर्ग के होंगे (हर कॉलेज में एक प्रिंसिपल यानी प्रधानाचार्य भी शामिल), और 104 पद गैर-शिक्षक (शिक्षकेत्तर) स्टाफ के होंगे। पश्चिम चंपारण के सिकटा अंचल के तत्कालीन अंचल अधिकारी रमन राय जो वर्तमान में किशनगंज में सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी थे, उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। मधुबनी, वीरपुर, मुंगेर, वाल्मिकीनगर, भागलपुर और सहरसा में हवाई अड्डा बन सकता या नहीं इसके अध्ययन कराया जाएगा। इस काम के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण नई दिल्ली को चुना गया है। इस लिए कुल 2, 43, 17, 676 की राशि दी गई है।

असम लोकसेवा आयोग
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION

Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.
Apply Online: https://apscrecruitment.in
Technical Support email: cceapsc@gmail.com Phone : 1800-572-23-43
*****

ADVT. NO. 16/2025

No. 21PSC/DR-22/1/2023-2024 Dated Guwahati the 25th April / 2025

Assam Public Service Commission invites application from Indian Citizens as defined in Articles 5 to 8 of the Constitution of India for the under-mentioned posts under Assam Government in the scale of pay as indicated below and carrying usual allowances as admissible under Rules of the Govt. of Assam.

(1) Name of thePost :- Insurance Medical Officer (IMO) ESI Scheme, Assam under Labour Welfare Department
(2) No of posts :- 13 (Thirteen) Nos.
(3) Reservation of posts :-

Name of the Service / Post	Open Category		Reserved for OBC/ MOBC		Reserved for SC		Reserved for STP		Reserved for STH		Grand Total		Post reserved for PwBD & Type of Disability	Ex-Service Man
	Total	RFW	Total	RFW	Total	RFW	Total	RFW	Total	RFW	Total	RFW		
Insurance Medical Officer (IMO) ESI Shceme, Assam under labour welfare Department	5	1	5	1	2	0	0	0	1	0	13	2	0	0

**** PwBD - Persons with Benchmark Disabilities; RFW - Reserved for Women.***
****Reservation as per draft advertisement received from Government against total numbers of posts in the cadre.***
NB : The Ex-Servicemen must upload Ex-Servicemen Identity Card issued by Zila Sainik Welfare Office of the state of Assam and Discharge Book while applying for the reserved post.

4. Scale of Pay : - Pay scale + Grade Pay + Other allowances as admissible to the Assam State Government employees from time to time (per month).

Pay Scale	Grade Pay	Pay Band
Rs. 30,000/- to 1,10,000/-	Rs. 12,700/-	Pay Band - 4

BEFORE FILLING UP THE APPLICATION FORM, CANDIDATES MUST NOTE THAT THE REQUIRED CERTIFICATES RELATING TO AGE, CASTE AND MINIMUM EDUCATIONAL QUALIFICATION WILL BE FETCHED FROM THE OTR PROFILE. CANDIDATES ARE TO UPDATE THE OTR PROFILE IF ANY ADDITIONAL DOCUMENTS ARE TO BE UPLOADED IN SUPPORT OF THE ADVERTISED POST.

5. Eligibility Criteria :-
The candidate must be an Indian Citizen as defined in Article 5 to 8 of the Constitution of India and must be a permanent resident of Assam.
As a domicile proof of the candidate, he/she must upload a copy of the valid Permanent Resident Certificate issued in Assam for educational purpose/Employment Exchange Registration Certificate will be treated as proof of residency.
(Upload necessary documents)

6. Education Qualification :-
Minimum qualification should be MBBS having Registration under Assam Medical Council, 1960.
(Upload relevant all semester/year mark sheet/certificate reflecting the subjects)

7. Age:
The candidates should not be less than 21 years of age and not more than 38 years of age as on **01-01-2025.** The upper age limit is relaxable :
(i) By 5 years for SC/ST candidates, i.e. upto 43 years.
(ii) By 3 years for OBC/MOBC candidates i.e. upto 41 years as per Govt. Notification No. ABP. 6/2016/9 dated Dispur the 25" April 2018.
(iii) **For Ex-Servicemen, the maximum age shall be 50 years as on 01-01-2025 for Unreserved category, relaxable further by 3 (Three) years for OBC/MOBC candidates and 5 (Five) years for SC/ST candidates.**
(iv) Persons with benchmark disability (PwBD) 10 years irrespective of SC/ST/OBC and UR Category of candidates as per Govt. Memorandum No. ABP 144/95/121 dated Dispur the 28th October, 2015.
The age limit of the candidates will be calculated on the basis of the **Class-X/Class-XII Examination Admit Card/Pass Certificate/Marksheet issued by a recognized Central/State Board/Council where Age/Date of Birth (DOB) is clearly reflected.**
No other document shall be accepted in lieu of the above mentioned documents for age proof.

8. For PWBD Category Candidate :
To be eligible for consideration under PwBD category, a candidate must possess Benchmark Disability and must produce necessary certificate issued by the competent authority.
(Upload relevant documents)

9. For Government Employees of the state of Assam:
Candidates, already in regular Government service, whether in permanent or temporary capacity other than casual/ad-hoc/daily wages/hourly paid/contract basis, in order to prove their employment, must upload a certificate against the applied post, issued by the competent authority under which he/she is working.
However, candidates, seeking pay protection, continuation in service etc., must upload **'NO OBJECTION CERTIFICATE (NOC)'** against the applied post, issued by the competent authority under which he/she is working.
(Upload relevant documents)

10. The Small Family Norms :-
As per Govt. notification No. ABP.69/2019/17, dated Dispur, the 6th November/2019, candidates have to submit a declaration regarding "The Small Family Norms' in Form - A at the time of applying for the post.
(Upload necessary documents)

The advertisement has been issued as **per draft advertisement furnished by the Government.**

➢ **(i) STARTING DATE FOR ONLINE APPLICATION : - 30-04-2025**
(ii) CLOSING DATE FOR ONLINE APPLICATION :- 29-05-2025
(iii) LAST DATE FOR PAYMENT OF APPLICATION FEE : - 31.05.2025

NB: For detail advertisement please visit APSC's official website www.apsc.nic.in (Recruitment Advertisement link).

Sd/-
Under Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- DIPR /D/VBS/6/26-Apr-25

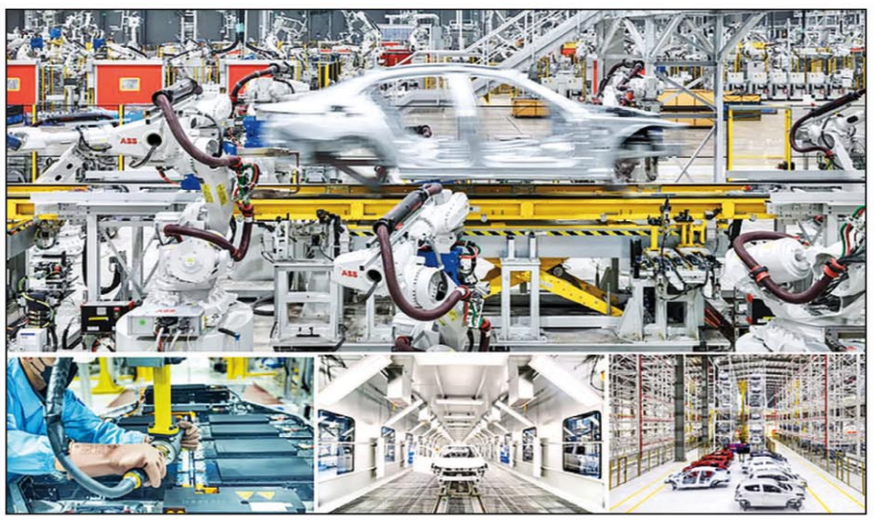

विनफास्ट तमिलनाडु के थूथुकुडी में जून तक अपना विनिर्माण प्लांट शुरू करेगी

चेन्नई

वियतनामी इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता विनफास्ट भारतीय बाजार में उतरने को तैयार है। कंपनी ने घोषणा की है कि वह तमिलनाडु के थूथुकुडी में जून के अंत तक अपना विनिर्माण प्लांट शुरू करेगी।

इसकी जानकारी कंपनी के सीईओ फाम सन्ह चाउ ने दी। विनफास्ट की मूल कंपनी विंगग्रुप के प्रमुख फाम न्हाट वुओंग ने बताया कि अब कंपनी वियतनाम के बाहर इंडोनेशिया, भारत और फिलीपींस जैसे बाजारों पर फोकस करेगी।

ईवी का उत्पादन 2026 में शुरू होने की संभावना

तमिलनाडु सरकार के साथ हुए करार के तहत विनफास्ट राज्य में 2 अरब डॉलर तक का निवेश करेगी। प्रोजेक्ट के पहले चरण में 500 मिलियन डॉलर खर्च होने हैं, और प्लांट की सालाना उत्पादन क्षमता 1.5 लाख वाहनों की होगी। इस यूनिट से ईवी का उत्पादन 2026 में शुरू होने की संभावना है। इसके अलावा कंपनी देशभर में चार्जिंग स्टेशनों का नेटवर्क तैयार करेगी। वी-ग्रीन नाम की समूह कंपनी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए सह-निवेशकों की तलाश में है।

थूथुकुडी को चुनने की वजह बताकर चाउ ने कहा कि यह पोर्ट और एयरपोर्ट के करीब है, जिससे निर्यात में सुविधा मिलेगी। कंपनी भारत को घरेलू बाजार के साथ-साथ पश्चिम एशिया और अफ्रीका के लिए भी एक अहम केंद्र के रूप में देख रही है। इस प्रोजेक्ट से स्थानीय स्तर पर 3,000 से ज्यादा रोजगार के मौके बनने की उम्मीद है। भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में विनफास्ट ने वीएफ 6 और वीएफ 7 नाम की दो प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी की झलक दिखाई थी, जिन्हें इस साल के अंत तक लांच किया जाएगा।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत में पहली बार ईवी की बिक्री 20 लाख यूनिट के पार

नई दिल्ली। भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) की बिक्री पहली बार 20 लाख यूनिट के पार पहुंच गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस वित्त वर्ष के दौरान देश में कुल 20,26,184 यूनिट इलेक्ट्रिक वाहन बिके, जो सालाना आधार पर 15.31 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दर्शाता है। इस उपलब्धि में सबसे बड़ा योगदान इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स का रहा, जिनकी कुल 12,03,223 यूनिट्स बिकीं। ईवी सेगमेंट में इनकी हिस्सेदारी 59.38 प्रतिशत रही। टू-व्हीलर बिक्री में 18.76 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गई। ओला इलेक्ट्रिक ने इस सेगमेंट में अपना दबदबा कायम रखते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि टीवीएस मोटर और बजाज ऑटो भी प्रमुख कंपनियों में शामिल रहीं। इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर्स बिक्री के मामले में दूसरे नंबर पर रहे। इस वर्ग में कुल 7,02,799 यूनिट्स बिकीं, जो ईवी मार्केट में 34.68 प्रतिशत की हिस्सेदारी को दर्शाता है। थ्री-व्हीलर बिक्री में 9.63 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई, और महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी ने इस श्रेणी में लीड किया। वहीं, इलेक्ट्रिक कारों की बात करें तो भारत में कुल 1,10,748 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई, जिसकी हिस्सेदारी ईवी मार्केट में 4.57 प्रतिशत रही। टाटा मोटर्स ने 53.10 प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ इस सेगमेंट में अग्रणी स्थान पाया, जबकि एमजी मोटर्स दूसरे नंबर पर रही।

ईएसआई योजना के तहत फरवरी में जोड़े गए 15.43 लाख नए कर्मचारी

नई दिल्ली। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) योजना के तहत फरवरी में कुल 15.43 लाख नए कर्मचारी जोड़े गए हैं। इसके अलावा फरवरी, 2025 में 23,526 नए प्रतिष्ठानों को ईएसआई योजना के सामाजिक सुरक्षा दायरे में लाया गया है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि ईएसआईसी की जारी अनंतिम पेरोल आंकड़ों के मुताबिक फरवरी, 2025 में 15.43 लाख नए कर्मचारी जोड़े गए हैं। मुताबिक फरवरी, 2025 के महीने में 23,526 नए प्रतिष्ठानों को ईएसआई योजना के सामाजिक सुरक्षा दायरे में लाया गया है, जिससे अधिक श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। आंकड़ों के मुताबिक फरवरी माह के दौरान ईएसआईसी योजना के तहत जोड़े गए कुल 15.43 लाख कर्मचारियों में से 25 वर्ष तक की आयु वर्ग के 7.36 लाख कर्मचारी, जो कुल पंजीकरण का लगभग 47.7 फीसदी हैं। पेरोल आंकड़ों का लिंग-वार विश्लेषण यह दर्शाता है कि फरवरी, 2025 में महिला सदस्यों का शुद्ध नामांकन 3.35 लाख रहा है। इसके अलावा फरवरी, 2025 में ईएसआई योजना के तहत कुल 74 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों ने भी पंजीकरण कराया है, जो समाज के हर वर्ग को अपने लाभ पहुंचाने की कर्मचारी राज्य बीमा निगम की प्रतिबद्धता को प्रमाणित करता है।

ओपो ने ड्यूरेबिलिटी के साथ हाई-परफॉर्मेंस स्मार्टफोन ए5 प्रो लांच किया

मुंबई। ओपो ने भारत में अपना नया बजट 5जी स्मार्टफोन ओपो ए5 प्रो लांच किया है। यह ए-सीरीज का एक मजबूत और फीचर से भरपूर फोन है, जिसे खास तौर पर इसतरह के यूजर्स के लिए डिजाइन किया गया है जो ड्यूरेबिलिटी के साथ हाई-परफॉर्मेंस स्मार्टफोन चाहते हैं। फोन को दो वेरिएंट्स में लांच किया गया है 8जीबी रैम+ 128जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 17,999 रुपये और 8जीबी रैम+ 256 जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 19,999 रुपये रखी गई है। यह दो रंगों में मिलेगा। फोन की सबसे बड़ी खासियत इसकी मजबूती है। ओपो ए5 प्रो में 360 अरमर बॉडी दी गई है जो 14 मिलिट्री ग्रेड टेस्ट पास कर चुकी है। यह आईपी66, आईपी 68 और आईपी 69 रेटिंग्स के साथ आता है, जिससे यह फोन पानी, धूल और दुर्घटना स्पिल्स जैसे कॉफी या दूध से भी सुरक्षित रहता है। डिस्प्ले को गोरिल्ला गिलास 7आई की प्रोटेक्शन मिलती है जो फोन को स्क्रैच और ब्रेकेज से बचाती है। फोन में 6.67 इंच का एचडी+ एलसीडी डिस्प्ले है जो 120 एचजेड रिफ्रेश रेट और 1000 निट्स ब्राइटनेस के साथ आता है। इसमें 5800 एमएएच की बड़ी बैटरी दी गई है जो 45वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। सिक्योरिटी के लिए साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट स्कैनर मौजूद है। फोन में 6एनएम मीडिया टेक डाईमैनसिटी 6300 चिपसेट है, जो एंड्राइड 15 आधारित कलरओएस15 पर चलता है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान जोरदार मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान आमतौर पर खरीदारी होती रही। एशियाई बाजार में भी चौतरफा उत्साह का माहौल बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार तीसरे दिन तेजी का माहौल बना रहा। डाउ जॉन्स पिछले सत्र के दौरान 500 अंक की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 108.91 अंक यानी 2.03 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,484.77 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 457.99 अंक यानी 2.74 प्रतिशत उछल कर 17,166.04 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 40,148.73 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान आमतौर पर खरीदारी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स से 0.05 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 8,407.44 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.27 प्रतिशत उछल कर 7,502.78 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 102.54 अंक यानी 0.46 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,064.51 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में भी चौतरफा तेजी का माहौल बना हुआ है। एशिया के सभी 9 बाजारों के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.35 प्रतिशत उछल कर 24,475.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,837.28 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 425.63 अंक यानी 2.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,904.44 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ।

फंड मैनेजर बेंचमार्क के सापेक्ष रिटर्न सृजित करने में ज्यादा कुशल, इक्विटी फंड श्रेणियों में स्मॉलकैप फंड का प्रदर्शन सबसे खराब रहा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। इक्विटी म्युचुअल फंड की एक योजना पांच साल की अवधि में अपने बेंचमार्क को मात देने में कामयाब रही। मीडिया रिपोर्ट से मिली जानकारी के मुताबिक जो एक ऐसा प्रदर्शन मानक है जिसे फंडों ने देर से प्रकाशित करना शुरू किया है। इन्फॉर्मेशन रेश्यो यानी आईआर बताता है कि निवेश प्रबंधक ने कितना जोखिम उठाया और बेंचमार्क के सापेक्ष कितने प्रभावी तरीके से अतिरिक्त रिटर्न सृजित किया है। आईआर सामान्यतः 1.5 से -1.5 के दायरे में होता है। जितना ज्यादा आईआर होता है, उतना ही फंड मैनेजर का बेहतर प्रदर्शन होता है। आनंद राठी वेल्थ के संयुक्त सीईओ फिरोज अजीज ने कहा कि ज्यादा यानी ऊंचा आईआर संकेत देता है कि फंड मैनेजर बेंचमार्क के सापेक्ष रिटर्न सृजित करने में ज्यादा कुशल है। कम आईआर से पता चलता है कि बेंचमार्क के मुकाबले फंड का प्रदर्शन कमजोर रहा है। पिछले पांच साल में सेक्टोरल और थीमेटिक फंडों को छोड़कर 208 सक्रिय इक्विटी योजनाओं में से केवल 62 का आईआर सकारात्मक रहा है। इक्विटी फंड श्रेणियों में स्मॉलकैप फंड का प्रदर्शन सबसे खराब रहा है और 21 में से केवल तीन योजनाएं बेहतर प्रदर्शन कर पायीं। लार्जकैप और मिडकैप फंडों का भी रिकॉर्ड खराब रहा और 20 फीसदी से कम योजनाओं ने सकारात्मक आईआर दर्ज की है। हालांकि, तीन साल और एक साल के आंकड़े बेहतर हैं। एक साल की अवधि में ज्यादातर योजनाओं ने लार्जकैप को छोड़कर सभी श्रेणियों में बेहतर प्रदर्शन किया है। तीन साल की अवधि में ज्यादातर लार्जकैप और मल्टीकैप योजनाओं ने बेंचमार्क से अधिक रिटर्न दिया है। निवेश सलाहकारों के मुताबिक उच्च आईआर फंड मैनेजर की शेयर चयन क्षमता और समय पर सेक्टर में बदलाव का नतीजा है। प्लान अहेड वेल्थ एडवाइजर्स के संस्थापक और सीईओ विशाल धवन ने कहा कि फंड मैनेजर का शेयर चयन और आवंटन कौशल संभवतः ऊंचा आईआर बताता है।

चौथी तिमाही में मारुति सुजुकी की कमाई बढ़ी मुनाफा घटा

135 रुपए लाभांश देगी कंपनी, नतीजे उम्मीद से कम शेयर गिर सकता है

मुंबई

ऑटोमोबाईल कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 42,431 करोड़ रुपए की कमाई की है। यह पिछले साल के मुकाबले 7प्रतिशत ज्यादा है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी ने 39,655 करोड़ रुपए की कमाई की थी।

कुल कमाई में से कर्मचारियों की सैलरी, टैक्स, कच्चे माल की कीमत और डिपॉजिट जैसे खर्चे निकाल दें तो कंपनी के पास 3,911 करोड़ रुपए शुद्ध मुनाफे के रूप में बचा। यह 2024 के जनवरी-मार्च तिमाही से 1प्रतिशत कम है। पिछले साल कंपनी के 3,952 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था।

रेवेन्यू 6.37प्रतिशत बढ़कर 40,920 करोड़ रहा

चौथी तिमाही में मारुति सुजुकी ने प्रोडक्ट और सर्विस बेचकर 40,920 करोड़ रुपए का राजस्व यानी रेवेन्यू कमाया है। सालाना आधार पर यह 6.37प्रतिशत बढ़ा है। जनवरी-मार्च 2024 में कंपनी ने 38,471 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था। नतीजों में निवेशकों के लिए क्या नतीजों के साथ मारुति सुजुकी ने अपने शेयरधारकों के लिए 135 रुपए प्रति शेयर डिविडेंड यानी लाभांश देने का ऐलान किया है। कंपनियां अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा शेयरहोल्डर्स को देती हैं, इसे लाभांश कहा जाता है। कंपनी की कमाई और मुनाफा मार्केट एनालिस्ट के उम्मीद के मुताबिक कम रहा है। ऐसे में आने वाले समय में इसके शेयरों बिकवाली हो सकती है और प्राइस गिर सकते हैं। एक साल में 10प्रतिशत गिरा मारुति सुजुकी का शेयर चौथी तिमाही के नतीजों के बाद मारुति सुजुकी के शेयर में गिरावट है। 25 अप्रैल को कंपनी का शेयर 2प्रतिशत गिरकर 11,658 पर बंद हुआ। बीते 6 महीनों से कंपनी के शेयर में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। वहीं, इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक कंपनी का शेयर 4प्रतिशत ही बढ़ा है। वहीं, बीते एक साल में इसमें 10प्रतिशत की गिरावट हुई है। मारुति सुजुकी का मार्केट कैप 3.7 लाख करोड़ रुपए है। अब कंपनी का इतिहास जानें मारुति सुजुकी की स्थापना 24 फरवरी 1981 के भारत सरकार के स्वामित्व में मारुति इंडस्ट्रीज लिमिटेड रूप में हुई थी। 1982 में कंपनी ने जापान की सुजुकी कॉर्पोरेशन के साथ मिलकर जॉइंट वेंचर मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड बनाई।

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस का होम लोन 0.25प्रतिशत सस्ता हुआ

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने लोन की ब्याज दरों में 0.25प्रतिशत की कटौती की है। इस कटौती के बाद एसबीआई से सभी तरह के लोन लेना अब सस्ता हो गया है। अब एसबीआई की होम लोन की ब्याज दर सालाना 8प्रतिशत से शुरू होंगी। आरबीआई ने हाल ही में रेपो रेट को 6.25प्रतिशत से घटाकर 6.00प्रतिशत किया है। जिसके बाद बैंकों ने भी स्नष्ठ और लोन की ब्याज दरों में कटौती शुरू कर दी है। इससे पहले एसबीआई ने लोन की ब्याज दरों में 0.25प्रतिशत की कटौती की थी। कई बैंक समय से पहले लोन अदा करने पर पेनल्टी लगाते हैं। ऐसे में बैंकों से इस बारे में पूरी डिटेल ले लें, क्योंकि समय से पहले लोन अदा करने पर बैंकों को उम्मीद के मुताबिक कम ब्याज मिलता है।

हुंडई की बिक्री में एसयूवीएस की जबरदस्त मांग

नई दिल्ली

भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने मारुति के बाद दूसरी सबसे ज्यादा बिक्री करने वाली कंपनी के रूप में अपनी स्थिति को मजबूती से कायम रखा है। चालू साल में हुंडई की बिक्री में एसयूवीएस की जबरदस्त मांग देखी गई और इसकी वजह से कंपनी के कुल घरेलू बिक्री में एसयूवी का योगदान 68.5प्रतिशत तक पहुंच गया, जो पिछले साल 63.2प्रतिशत था। यानी हर तीन में से दो हुंडई कारें एसयूवी सेगमेंट की रही हैं। इनमें एक्सटर, वेन्यू, क्रेटा, अल्काजार, टक्सन और आयनिक 5 जैसे लोकप्रिय मॉडल शामिल हैं।

खास बात यह रही कि क्रेटा एक बार फिर से कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार साबित हुई है। इसके अलावा, फाइनेंशियल ईयर 2025 में सनरूफ वाले मॉडलों की डिमांड में भी जबरदस्त इजाफा हुआ है। कंपनी के मुताबिक, इस साल बेची गई कुल कारों में से 53.2प्रतिशत कारें सनरूफ से लैस थीं, जो ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताओं और प्रीमियम फीचर्स की ओर रुझान को दर्शाता है। हुंडई ने अपने 14 में से 12 मॉडलों में सनरूफ की सुविधा दी है।

वहीं, सुरक्षा के मामले में भी ग्राहकों का झुकाव बढ़ा है। अडास यानी एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम वाली कारों की बिक्री दोगुनी होकर 14.3प्रतिशत पहुंच गई, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 6.7प्रतिशत था। कंपनी अब अपने 9 मॉडलों में अडास की पेशकश कर रही है। हुंडई ने पेट्रोल, डीजल, टर्बो पेट्रोल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक जैसे पावरट्रेन के साथ-साथ कई ट्रांसमिशन विकल्प भी दिए हैं।

अमेरिका में बिकने वाले सभी आईफोन अब भारत में बनेंगे

2025 तक चीन से शिफ्ट हो सकती है मैन्यूफैक्चरिंग, ग्लोबल मार्केट में 20प्रतिशत आईफोन मेड इन इंडिया

मुंबई

एपल अगले साल से अमेरिका में बिकने वाले सभी आईफोन को भारत में बनाने की प्लानिंग कर रहा है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाने के फैसले और चीन के साथ टैरिफ वॉर के बीच कंपनी ने यह फैसला लिया है। फाइनेंशियल टाइम्स ने इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है।

2026 तक देश में सालाना 6 करोड़+ आईफोन बनेंगे

चीन पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए एपल काफी समय से अपनी सप्लाई चेन को वहां से बाहर शिफ्ट करने पर काम कर रही है। एपल अगर अपनी असेंबलिंग भारत की ओर इस साल के आखिर तक शिफ्ट कर लेती है, तो 2026 से यहां सालाना 6 करोड़ से ज्यादा आईफोन का प्रोडक्शन होगा। ये मौजूदा कैपेसिटी से दोगुना है।

आईफोन मैन्यूफैक्चरिंग पर अभी चीन का दबदबा

आईफोन के मैन्यूफैक्चरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर पर अभी चीन का दबदबा है। ह्वष्ठष्ट के अनुसार, 2024 में कंपनी के ग्लोबल आईफोन शिपमेंट में इसका हिस्सा लगभग 28प्रतिशत था। अमेरिकी मार्केट में बिकने वाले आईफोन का प्रोडक्शन चीन के बाहर शिफ्ट करने से कंपनी को हाई टैरिफ से बचने में मदद मिलेगी।

मार्च-24 से मार्च-25 में 60प्रतिशत बढ़ा आईफोन प्रोडक्शन

मार्च 2024 से मार्च 2025 तक के 12 महीनों में एपल ने भारत में 22 बिलियन डॉलर (करीब 1.88 लाख करोड़) वैल्यू के आईफोन की मैन्यूफैक्चरिंग की। पिछले साल की तुलना में इसमें 60प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान एपल ने भारत से 17.4 बिलियन डॉलर (करीब 1.49 लाख करोड़) वैल्यू के आईफोन एक्सपोर्ट किए। वहीं, दुनियाभर में हर 5 में से एक आईफोन अब भारत में बन रहा है। भारत में आईफोन की मैन्यूफैक्चरिंग तमिलनाडु और कर्नाटक की फैक्ट्रियों में किया जाता है।

इसमें सबसे ज्यादा उत्पादन फॉक्सकॉन करता है। फॉक्सकॉन एपल का सबसे बड़ा मैन्यूफैक्चरिंग भी पार्टनर है। इसके अलावा टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और पेगाट्रॉन भी इस बढ़ते उत्पादन में योगदान करते हैं।

2024 में 8 बिलियन डॉलर आईफोन की सेल

वित्त वर्ष 2024 में एपल के स्मार्टफोन की बिक्री 8 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई। जबकि बाजार में इसकी हिस्सेदारी केवल 8प्रतिशत थी। भारत के उभरते मिडिल क्लास में अभी भी आईफोन एक लग्जरी बना हुआ है इसलिए यहां मार्केट बढ़ने की उम्मीद है।

एपल का भारत पर इतना ज्यादा फोकस क्यों

सप्लाई चेन डायवर्सिफिकेशन: एपल चीन पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है। जियोपॉलिटिकल टेंशन, ट्रेड डिस्प्यूट और कोविड-19 लॉकडाउन जैसे दिक्कतों से कंपनी को लगा कि किसी एक क्षेत्र में ज्यादा निर्भर रहना ठीक नहीं है। इस लिहाज से एपल के लिए भारत एक कम जोखिम वाला ऑप्शन साबित हो रहा है।

कॉस्ट एडवांटेज: भारत चीन की तुलना में कम लागत पर लेबर प्रोवाइड करता है, जो इसे इकोनॉमिकली ज्यादा अट्रैक्टिव बनाता है। इसके अलावा, लोकल लेवल पर मैन्यूफैक्चर करने से कंपनी को इलेक्ट्रॉनिक्स पर हाई इंपोर्ट कॉस्ट से बचने में मदद मिलती है।

गवर्नमेंट इंसेंटिव: भारत की मेक इन इंडिया इनिसिएटिव और प्रोडक्शन लिंक्ड इनिसिएटिव स्कीम्स कंपनियों को लोकल मैन्यूफैक्चरिंग बढ़ाने के लिए वित्तीय सहायता देती हैं। इन पॉलिसीज ने फॉक्सकॉन और टाटा जैसे एपल के पार्टनर्स को भारत में ज्यादा निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

अरशद को आमंत्रण मामले में नीरज ने दी सफाई

नई दिल्ली

ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा क्लासिक जेवलिन थ्रो इवेंट में पाकिस्तान के स्टार भाला फेंक एथलीट अरशद नदीम को दिये आमंत्रण के कारण प्रशंसकों के निशाने पर आ गये हैं। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद कुछ लोगों ने नीरज के इस आमंत्रण पर सवाल उठाये हैं।

नीरज ने हालांकि ये आमंत्रण आतंकी हमले की घटना के पहले दिया था। इस मामले में आलोचना के बाद अब नीरज ने सोशल मीडिया के जरिये अपना जवाब दिया है। नीरज ने सोशल मीडिया में एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें उन्होंने लिखा, मैं आमतौर पर कम बोलने वाला व्यक्ति हूं पर इसका मतलब यह नहीं है कि मैं जो गलत समझता हूं उसके खिलाफ नहीं बोलूंगा। खासकर तब जब बात हमारे देश के प्रति मेरे प्यार और मेरे परिवार के सम्मान और प्रतिष्ठा पर सवाल उठाने की हो।

अरशद को क्लासिक प्रतियोगित में प्रतिस्पर्धा करने के लिए आमंत्रित करने के मेरे फैसले के बारे में बहुत चर्चा हुई है, और इसमें अधिकांश में नफरत वाली बातें कही गयी हैं। उन्होंने मेरे परिवार को भी इससे बाहर नहीं छोड़ा। मैंने अरशद को जो निमंत्रण दिया वह एक एथलीट की ओर से दूसरे एथलीट को था।

इससे ज्यादा कुछ नहीं था। क्लासिक का उद्देश्य भारत में सर्वश्रेष्ठ एथलीटों को लाना और हमारे देश को विश्व स्तरीय खेल आयोजनों का घर बनाना था। ये आमंत्रण पहलगाम में आतंकवादी हमलों से दो दिन पहले ही भेजा गया था।

वहीं पिछले 48 घंटों में जो कुछ भी हुआ है, उसके बाद इस प्रतियोगिता में अरशद के भाग लेने का सवाल ही नहीं उठता है। मेरा देश और उसके हित हमेशा मेरे लिए सबसे पहले रहेंगे। जो लोग अपने लोगों के नुकसान से गुजर रहे हैं, मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं।

पूरे देश के साथ-साथ, मैं भी जो कुछ हुआ है, उससे आहत और क्रोधित हूं। मुझे विश्वास है कि हमारे देश की प्रतिक्रिया एक राष्ट्र के रूप में हमारी ताकत दिखाएगी और न्याय मिलेगा।

मैंने इतने सालों तक अपने देश को गर्व के साथ संभाला है, इसलिए मेरी ईमानदारी पर सवाल उठते देखना दुखद है। मुझे दुख होता है कि मुझे उन लोगों के सामने खुद को स्पष्ट करना पड़ रहा है जो बिना किसी ठोस कारण के मुझे और मेरे परिवार को निशाना बना रहे हैं। हम साधारण लोग हैं, कृपया हमें कुछ और न समझाएं। मीडिया के कुछ वर्गों ने मेरे बारे में बहुत सी झूठी कहानियां गढ़ी हैं केवल इसलिए कि मैं नहीं बोलता पर इसका मतलब यह नहीं है कि वे सभी सच हैं।

न्यूज ब्रीफ

पाक के साथ क्रिकेट संबंधों को लेकर सरकार की सलाह मानेगा बीसीसीआई : राजीव शुक्ला

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा है कि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट संबंधों को लेकर जो भी सरकार का फैसला होगा वह उसे मानेगा। पहलगाम में आतंकियों के हमले के बाद से ही दोनो देशों के बीच तनाव बढ़ गया है और ऐसे में मांग की जा रही है कि पाक के साथ किसी भी स्तर पर न खेला जाये। अभी दोनो देश केवल आईसीसी इवेंट्स में ही खेलते हैं। बीसीसीआई उपाध्यक्ष शुक्ला ने कहा है कि बोर्ड सरकार की सलाह मानेगा हालांकि उन्होंने कहा कि आईसीसी और एसीसी इवेंट में भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखने को लेकर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। गौरतलब है कि एशिया कप और महिला एकदिवसीय विश्वकप कप में दोनो देशों के खेलने को लेकर भी अब सवाल उठ रहे है। वहीं एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) इस मामले में क्या फैसला करती है देखना होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण अब हालात बदल गये हैं। इसी कारण माना जा रहा है कि बीसीसीआई ने आईसीसी से अपील की है कि वे भारत और पाकिस्तान को आगे होने वाले बड़े टूर्नामेंट्स में एक ही ग्रुप में न रखा जाए। गौरतब है कि किसी भी बड़े इवेंट में भारत-पाकिस्तान के मैच से क्रिकेट बोर्ड को बहुत फायदा होता है। ऐसे में अगर ये दोनों टीमें एक ग्रुप में नहीं रहे तो आयोजकों को नुकसान होता है। हालांकि दोनो को एक ही ग्रुप में नहीं रखने को लेकर आ रही रिपोर्टों को लेकर शुक्ला ने अपना पक्ष रखा है। उन्होंने कहा कि बोर्ड इस मामले में सरकार की सलाह पर ही चलेगा। इसका मतलब साफ है कि जो सरकार का निर्णय होगा वही बीसीसीआई करेगा। वहीं एक अधिकारी ने कहा है उन्हें भारत-पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में नहीं रखने की कोई जानकारी नहीं है। इसका मतलब है कि अभी तक यह तय नहीं है कि भारत और पाक को एक ही ग्रुप में रखा जाएगा या नहीं।

पुरुष हॉकी एशिया कप के लिए अब पाक खिलाड़ियों को वीजा मिलना संभव नहीं

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद अब बिहार के राजगीर में होने वाले पुरुष हॉकी एशिया कप के लिए पाकिस्तान के खिलाड़ियों को वीजा मिलने की कोई संभावना नहीं है। भारत सरकार ने हमले के तत्काल बाद ही पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर उन्हें देश छोड़ने के आदेश दिये है। ऐसे में अब पाक खिलाड़ी 2026 एफआईएच विश्कप क्वालिफायर में भाग नहीं ले सकेंगे। इस महीने की शुरुआत में हॉकी इंडिया ने कहा था कि पाक भी दक्षिण कोरिया, मलेशिया, चीन और जापान के साथ कॉन्टिनेंटल चैम्पियनशिप के लिए भारत आएगा पर अब हालात बदल गये हैं। हॉकी इंडिया के अनुसार पाक के मैचों के तटस्थ स्थल पर आयोजन को लेकर अभी कोई बात नहीं हुई है। साथ ही कहा कि इस मामले में सरकार की नीति का पालन किया जाएगा। गौरतलब है कि एशिया कप का महत्व बहुत अधिक है क्योंकि यह विश्व कप क्वालीफार जिसके विजेता को अगले साल के मेगा-इवेंट के लिए सीधा प्रवेश मिलना है, जिसकी सह-मेजबानी नीदरलैंड और बेल्जियम करेंगे। इसमें भारत का मुकाबला गत विजेता दक्षिया कोरिया से होना है। इसके अलावा पाक की अंडर-23 टीम को एफआईएच जूनियर विश्व कप में भी भाग लेना है, जो कि साल के अंत में चेन्नई और मदुरै में होना है। इसमें भी अब उसके अवसर नहीं मिलेगा।

एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट के लिए ओलंपिक की तरह : स्टीव वॉ

सिडनी। टी20 क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के बाद पिछले कुछ साल में एक दिवसीय क्रिकेट का आकर्षण घटा है। ऐसे में एकदिवसीय क्रिकेट के भविष्य पर भी सवाल उठने लगे है। जहां कई दिग्गजों का मानना है की आने वाले समय में एकदिवसीय क्रिकेट प्रासंगिक नहीं रहेगा। वहीं दूसरी ओर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव वॉ का मानना है कि एकदिवसीय प्रारुप का महत्व आगे भी बना रहेगा। उन्होंने कहा कि एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट के लिए ओलंपिक के समान है। वॉ ने माना है कि छोटे प्रारूपों के बढ़ते दबाव से इसपर प्रभाव पड़ा है लेकिन इसके बाद भी 2023 विश्व कप भारी तादाद में लोगों ने देखा था। आगे भी इस प्रारुप का महत्व बना रहेगा उन्होंने कहा कि हर किसी को लगता है कि एकदिवसीय क्रिकेट नहीं बचेगा पर सच ये है कि इसकी रेटिंग काफी ऊंची है और उसे लोग पसंद करते हैं। विश्व कप के बाद फिर इसमें रूचि कम हो जाती है और फिर बढ़ती है। यही हालात बने रहते हैं। वॉ ने कहा कि हम इस समय तीनों प्रारूपों में जैसे तैसे संतुलन देख रहे हैं। फिर टी10 का भी दबाव है जिससे चार प्रारूप हो सकते हैं।

मैड्रिड ओपन : स्वियातेक ने मियामी की हार का लिया बदला, एलेक्स ईला को दी शिकस्त

मैड्रिड

पोलैंड की स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने मैड्रिड ओपन के दूसरे दौर में रोमांचक मुकाबले में फिलीपींस की 19 वर्षीय उभरती सितारा एलेक्स ईला को 4-6, 6-4, 6-2 से हराया। पिछले महीने मियामी ओपन में ईला से मिली करारी हार के बाद यह जीत स्वियातेक के लिए बदला लेने जैसी रही।

मैच की शुरुआत में ईला ने शानदार खेल दिखाते हुए स्वियातेक की सर्विस तोड़ी और पहला सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। लेकिन इसके बाद स्वियातेक ने अनुभव का फायदा उठाते हुए गेम पर पकड़ मजबूत की और अगले दोनों सेट 6-4, 6-2 से जीतकर मुकाबला अपने नाम किया।

एलेक्स ईला ने मियामी ओपन में स्वियातेक को सीधे सेटों में हराकर सुर्खियां बटोरी थीं। उन्होंने उस टूर्नामेंट में जेलेना ओस्तापेंको और मैडिसन कीज़ जैसी ग्रैंड स्लैम विजेताओं को भी शिकस्त दी थी। हालांकि उनका सफर सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला के हाथों हार के साथ समाप्त हुआ था। इस प्रदर्शन की बदौलत वह टॉप 100 में जगह बनाने वाली पहली फिलिपीना खिलाड़ी बनीं और फिलहाल रैंकिंग में 72वें स्थान पर हैं।

दुनिया की नंबर 2 खिलाड़ी और गत विजेता स्वियातेक इस साल अब तक तीन सेमीफाइनल (ऑस्ट्रेलियन ओपन, इंडियन वेल्स, और एक अन्य) तक पहुंच चुकी हैं लेकिन फाइनल नहीं खेल सकी हैं। पिछले हफ्ते स्टटगार्ट में उन्हें जेलेना ओस्तापेंको के हाथों तीन सेटों में हार का सामना करना पड़ा था।

अन्य मुकाबलों में एंड्रीवा और निशिकोरी का जलवा

महिला वर्ग में रूस की मिर्रा एंड्रीवा ने मेरी बौजकोवा को 6-3, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। ब्राज़ील की बीया हद्दाद मायिया ने पेरा को 2-6, 6-3, 6-1 से मात दी।

अमेरिका की केटी वोलिनेट्स को डायना श्नाइडर ने 6-1, 6-2 से हराया जबकि एम्मा नवारो ने माया जॉइंट को 7-5, 7-5 से हराकर जीत दर्ज की।

केई निशिकोरी का 450वां टूर-स्तरीय जीत

पुरुष वर्ग में जापान के पूर्व विश्व नंबर 4 केई निशिकोरी ने अलेक्ज़ेंडर बुकिक को 6-4, 3-6, 6-3 से हराकर अपने करियर की 450वीं टूर-स्तरीय जीत दर्ज की। उन्होंने कहा, मुझे इसका अंदाजा नहीं था। बस एक-एक मैच खेलता हूंज अब तक 18 साल का सफर रहा है, उम्मीद है 500 तक पहुंच जाऊं। उनका अगला मुकाबला 29वीं वरीयता प्राप्त डेनिस शापोवालोव से होगा।

मैड्रिड ओपन से हटे कार्लोस अल्कराज, चोट बनी वजह

मैड्रिड। विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज स्पेनिश टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने मेड्रिड ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। पैर की चोट के कारण वे टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। मैड्रिड में उनका मुकाबला शनिवार को होना था। अल्कराज ने बताया कि उन्हें ऊपरी पैर में पहले से चोट थी, जो उन्हें बीते रविवार को बार्सिलोना ओपन के फाइनल के दौरान भी परेशान कर रही थी। इसके अलावा, अब उनके बाएं पैर में भी चोट है। उन्होंने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही उन्होंने खेलने से इनकार करने का फैसला लिया। अल्कराज ने 2022 और 2023 में मैड्रिड ओपन का खिताब जीता था। इस बार वे टूर्नामेंट के दूसरे वरीय खिलाड़ी थे और उनका ड्रा नोवाक जोकोविच के साथ एक ही हाफ में था। बार्सिलोना फाइनल में हील्गर रून से हार के दौरान उन्हें ट्रीटमेंट लेना पड़ा था। अल्कराज ने कहा कि उनकी ये चोट फ्रेंच ओपन में खेलने में बाधा नहीं बनेगी। उन्होंने पिछले साल रोलां गैरो (फ्रेंच ओपन) में अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर खिताब जीता था। इस बार भी वे खिताब बचाने उतरेंगे। ज्वेरेव ने हाल ही में म्यूनिख ओपन जीतकर अल्कराज को पीछे छोड़ दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। अल्कराज ने इस साल अब तक 24 मुकाबलों में जीत और केवल 5 में हार दर्ज की है। उन्होंने फरवरी में रॉटरडैम (हार्ड कोर्ट) और अप्रैल में मोंटे कार्लो (क्ले कोर्ट) पर खिताब जीता है। हालांकि, हालिया कार्यक्रम को लेकर उन्होंने थकान की शिकायत भी की थी।

अन्य पुरुष मुकाबलों में

डेविड गोफिन को एलेक्जेंडर मुलर के खिलाफ तीसरे सेट में 1-0 से पिछड़ते हुए रिटायर होना पड़ा। वहीं, लोरेंजो सोनेगो ने मियोमिर केकमानोविच को 6-4, 7-6 (5) से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज़ 2025 कार्लसन की गैरमौजूदगी में प्रज्ञानानंद खिताब के प्रबल दावेदार

नई दिल्ली

ग्रैंड चेस टूर का हिस्सा सुपरबेट रैपिड और ब्लिट्ज़ शतरंज टूर्नामेंट शनिवार से शुरू हो रहा है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में इस बार नॉर्वे के स्टार खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन हिस्सा नहीं ले रहे हैं, जिससे भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद खिताब के सबसे बड़े दावेदारों में शुमार हो गए हैं।

इस टूर्नामेंट में भारत की ओर से आर. प्रज्ञानानंद और अरविंद चिथंबरम भाग ले रहे हैं। कार्लसन की गैरमौजूदगी ने मुकाबले को पूरी तरह खुला बना दिया है और ऐसे में प्रज्ञानानंद की तेजी से खेले जाने वाले फॉर्मेट में सटीकता उन्हें बेहद खतरनाक खिलाड़ी बनाती है। उन्होंने इस साल टाटा स्टील मास्टर्स में विश्व चैंपियन डी. गुकेश को हराकर खिताब जीता था, जिससे उनके आत्मविश्वास में जबरदस्त इजाफा हुआ है। अरविंद चिथंबरम ने प्राग मास्टर्स में शानदार प्रदर्शन कर यह वाइल्ड कार्ड एंट्री हासिल की है। यह टूर्नामेंट उनके लिए बड़ी परीक्षा की तरह होगा, जहां उन्हें विश्व स्तरीय खिलाड़ियों का सामना करना है।

फ्रांस के अलीरेजा फिरूज़जा को भी खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। वहीं उनके हमवतन मैक्सीम वाचिए-लाग्रेव भी पिछले दशक में फ्रेंच खिलाड़ियों की छवि को आगे बढ़ाने की उम्मीदों के साथ उतरेंगे। पोलैंड के डूडा और अमेरिका के लेवोन अरोनियन भी खिताब की रेस में रह सकते हैं।

विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन ने क्लासिकल फॉर्मेट में अपनी रुचि कम होने की बात स्वीकार करते हुए इस टूर्नामेंट से दूरी बना ली है। वे अब 'फ्रीस्टाइल चेस' की ओर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और हाल ही में लगातार दो टूर्नामेंट जीत चुके हैं।

इस टूर्नामेंट में कुल पुरस्कार राशि 1,75,000 अमेरिकी डॉलर है, और इसके साथ-साथ पूरे सीजन के अंत में ग्रैंड प्राइज का हिस्सा बनने का मौका भी मिलेगा। हर टूर्नामेंट में प्रदर्शन के आधार पर अंक मिलते हैं, जो अंत में ग्रैंड चेस टूर के विजेता का फैसला करेंगे।

विराट से बात कर उत्साहित हैं निहाल

पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज निहाल वढेरा ने इस आईपीएल में सत्र में अब तक अच्छा प्रदर्शन कर सभी का ध्यान खींचा है। निहाल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ जीत में भी अहम भूमिका निभाई थी। वहीं निहाल इस बात से बेहद उत्साहित हैं कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली उन्हें नाम से जानते हैं। निहाल के अनुसार विराट ने जब उन्हें बातचीत के दौरान खेल की बारीकियां बताये तो ये उनके लिए सबसे बड़ा अनुभव था। वढेरा ने कहा, 'जब मैच से पहले विराट भाई श्रेयस अय्यर से बात कर रहे थे और उन्होंने पंजाबी में मुझसे पूछा 'की हाल चाल, निहाल तो मैं हैरान रहा गया था। मुझे उम्मीद नहीं थी कि उन्हें मेरा नाम याद होगा। इससे मुझे बहुत खुशी हुई। वढेरा ने कहा कि उसी पल से उन्हें विराट के साथ बात करने का अवसर मिला। जिसका वह लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'पिछले साल में सभी से कहता था कि मुझे एक बार विराट भाई से बात करनी है।

युवराज ट्रेनिंग दें तो गेल की तरह बन सकते हैं अर्जुन तेंदुलकर : योगराज

नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर से कोच बने योगराज सिंह ने अब दावा किया है कि सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर क्रिस गेल जैसे खिलाड़ी बन सकते हैं। अपने बयानों के कारण विवादों में रहने वाले योगराज ने कहा, अर्जुन को लेकर मैंने कहा है कि उन्हें अपनी गेंदबाजी पर कम और बल्लेबाजी पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

साथ ही कहा कि अगर युवराज सचिन के बेटे को तीन महीने के लिए भी ट्रेनिंग देते हैं तो मुझे भरोसा है कि वह अगले क्रिस गेल बन जाएंगे। साथ ही कहा कि अगर कोई तेज गेंदबाज स्ट्रेस फ्रैक्चर से गुजरता है, तो वह प्रभावी ढंग से गेंदबाजी नहीं कर पाता। ऐसे में मुझे लगता है कि अर्जुन को कुछ समय के लिए युवराज को सौंप दिया जाना चाहिए।

अर्जुन ने 2022 में रणजी ट्रॉफी की शुरुआत से पहले 12 दिनों के लिए योगराज सिंह से प्रशिक्षण लिया था। इसके बाद पोरवोरिम में गोवा के लिए खेलते हुए अर्जुन ने रणजी ट्रॉफी में अपने डेब्यू पर शतक बनाया था। योगराज ने कहा, सचिन का बेटा, अगर 12 दिनों के लिए यहां आता है और 100 रन बनाता है। जब उसने डेब्यू पर शतक बनाया और फिर आईपीएल में वापस लौटा, तो लोग डर गए, क्या होगा अगर उसका (अर्जुन का) नाम मेरे साथ जुड़ गया क्या आप समझ रहे हैं कि मेरा क्या मतलब है इसलिए लोग अपने नाम के पीछे टैग लगने से डरते हैं। मैंने युवराज से कहा कि सचिन को बोलो उसे एक साल के लिए मेरे पास छोड़ दो और फिर परिणाम देखो।

आईपीएलः सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंचे विराट कोहली

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल) में गुरुवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और राजस्थान रॉयल्स के बीच हुए मुक़ाबले के बाद सर्वाधिक रन बनाने वालों और विकेट लेने वालों की सूची में कई बदलाव हुए।

साई सुदर्शन शीर्ष पर कायम, कोहली दूसरे स्थान पर पहुंचे

गुजरात टाइटंस के युवा बल्लेबाज बी. साई सुदर्शन 417 रन बनाकर अब भी पहले स्थान पर बने हुए हैं। उन्होंने आठ मैचों में 52.12 की औसत और 152.18 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं।

वहीं, विराट कोहली ने लगातार दूसरा अर्धशतक जमाते हुए ऑरेंज कैप की दौड़ में लंबी छलांग लगाई है। राजस्थान के खिलाफ उन्होंने 42 गेंदों में 70 रन बनाए और अब उनके नाम नौ पारियों में 392 रन हो गए हैं।

निकोलस पूरन खिसके, सूर्यकुमार चौथे नंबर पर

लखनऊ सुपर जायंट्स के निकोलस पूरन ने प्रतियोगिता की शुरुआत धमाकेदार अंदाज़ में की थी और काफी मैचों तक सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने रहे। लेकिन हाल के मुकाबलों में खराब फॉर्म की वजह से अब वह तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। उनके नाम 377 रन हैं।

मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव इस सत्र में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने हर मैच में उपयोगी योगदान दिया है और अब 373 रनों के साथ चौथे स्थान पर हैं।

पर्पल कैप की दौड़: हेज़लवुड ने पकड़ी रफ्तार

गुजरात टाइटंस के तेज़ गेंदबाज़ प्रसिद्ध कृष्णा अब भी सर्वाधिक विकेट लेकर पर्पल कैप धारक हैं। उन्होंने आठ मैचों में 16 विकेट लिए हैं। लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के जोश हेज़लवुड ने राजस्थान के खिलाफ 4 विकेट लेकर 16 विकेट पूरे कर लिए हैं। हालांकि उनकी रनगति (इकोनॉमी रेट) अधिक होने के कारण वह दूसरे स्थान पर हैं।

12 विकेट लेने वाले गेंदबाजों की होड़

प्रसिद्ध कृष्णा और जोश हेज़लवुड के बाद सात गेंदबाज ऐसे हैं जिनके नाम 12-12 विकेट हैं। इनमें आरसीबी के क्रुणाल पांड्या (2 विकेट बनाम राजस्थान) नया नाम हैं। अन्य गेंदबाजों में गुजरात टाइटंस के आर. साई किशोर और मोहम्मद सिराज, चेन्नई सुपर किंग्स के नूर अहमद, दिल्ली कैपिटल्स के कुलदीप यादव, मुंबई इंडियंस के हार्दिक पांड्या और लखनऊ सुपर जायंट्स के शार्दुल ठाकुर शामिल हैं।

इनमें सबसे किफायती गेंदबाज़ कुलदीप यादव हैं - 6.50 की रनगति के साथ, जबकि नूर अहमद 7.66 के रनगति के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

वैभव के सितारे उसे बनाएंगे विराट जैसा क्रिकेटर !

नई दिल्ली। 14 साल की उम्र में आईपीएल खेलने वाले वैभव सूर्यवंशी के भविष्य में विराट कोहली जैसा क्रिकेटर बनने की उम्मीद जतायी जा रही है। बिहार के समस्तीपुर में जन्मे वैभव ने केवल 12 साल की उम्र में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में डेब्यू किया और 14 साल 23 दिन की उम्र में आईपीएल में डेब्यू किया और अब राजस्थान रॉयल्स लिए वह खेला रहा है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार वैभव की कुंडली धनु लग्न की है जिसमें राहु-चंद्र युति बनी हुई है। धनु लग्न में राहु (3 डिग्री) और चंद्रमा (27 डिग्री): अत्यधिक महत्वाकांक्षा, रातोंरात प्रसिद्धि की संभावना पैदा कर रहा है। तीसरे भाव में शुक्र और नेपच्यून वैभव सूर्यवंशी को बेमिसाल टाइमिंग, एस्थेटिक बैटिंग स्टाइल दे रहा है. वहीं कुंडली के चतुर्थ भाव में सूर्य, बुध, गुरु और मंगल ग्रह का दुर्लभ योग क्रिकेट को लेकर स्थायित्व, तकनीक, और शारीरिक सामर्थ्य को दर्शा रहा है। दशम भाव में शनि देव मेहनत से उभरने वाला, बड़ा बनने की पूरी क्षमता प्रदान कर रहे हैं।वर्तमान में इस खिलाड़ी की कुंडली में चंद्रमा महादशा और राहु अंतरदशा (2023-2025) चल रही है. यह समय होता है जब कोई खिलाड़ी अचानक मीडिया की नजर में आता है, कोई रिकॉर्ड बनाता है या बड़े टूर्नामेंट्स में चुना जाता है।

कसरत से कोई फायदा नहीं...?

आमतौर पर माना जाता है कि खूब कसरत करने से हमारे शरीर को बहुत से फायदे होते हैं, लेकिन नए शोध बता रहे हैं कि कई पारंपरिक ज्यादा कसरत करने से हृदय संबधी परेशानियां होती हैं। हालांकि वर्षों से माहौल ऐसा बना दिया गया है कि अगर कोई इस ऐसी बात करने की कोशिश करता है तो उसकी आलोचना होने लगती है। इस अध्ययनों में अत्यधिक कसरत से होने वाले खतरों को पहचानने में जानकारी मिली है।

अक्सर कई दवाइयों के साथ होता है कि अगर उनकी जरूरत से ज्यादा मात्रा ली जाए तो वे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं, ठीक उसी तरह जरूरत से ज्यादा कसरत करना भी हानिकारक हो सकता है। यह जानकारी एक नए अध्ययन से सामने आई है। शोधकर्ताओं ने उन अध्ययनों की समीक्षा की जो कसरत और हृदय संबंधी परेशानियों के संबंध में किए गए हैं और पाया कि इसके पुख्ता सबूत हैं कि खूब कसरत करने से कार्डियो संबंधी और हृदय संबंधी स्थायी परेशानियां पैदा हो जाती हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि ज्यादा कसरत करने से हृदय संबधी परेशानियां होती हैं। लेकिन माहौल यहां तक बना दिया गया है कि अगर कोई इस संबंध में बात करने की कोशिश करता है तो उसकी आलोचना होने लगती है। इस अध्ययन में अत्यधिक कसरत से होने वाले खतरों को पहचानने में जानकारी मिली है।

आम कसरत से फायदा

आज जमाना खुद को फिट रखने का है। इसके लिए लोग तरह-तरह के नुस्खे आजमाते हैं। वर्जिश करते हैं। बदन को खींच-तानकर अपना वजन घटाने की कोशिश करते हैं। क्रंचेज करते हैं। लेकिन जो लोग ऐसा नहीं करते हैं वे अफसोस न करें, क्योंकि हाल में तमाम रिसर्च से यह बात सामने आई है कि उठक-बैठक, क्रंचेज से कोई खास फायदा नहीं होता, बल्कि कई शोध तो यह भी दावा कर रहे हैं कि इनसे नुकसान भी हो सकता है। इन वर्जिशों से न तो आपके सिक्स पैक ऐब्स बनते हैं, न ही आपका पेट कम होता है, बल्कि पेट का घेरा कम करने के लिए अपने खान-पान में बदलाव लाना जरूरी है। साथ ही कुछ आम सी कसरत से भी इसमें फायदा होता है।

कोई फर्क नजर नहीं आया

बीबीसी के मुताबिक वर्जिश को लेकर हाल में जो रिसर्च सामने आए हैं, उनके मुताबिक, उठने-लेटने की कसरत से आपके बदन का लचीलापन बढ़ता है। अगर आप सिक्स पैक ऐब्स बनाने का इरादा रखते हैं तो महज सिट-अप कसरत से आपका भला नहीं होने वाला। हाल ही में अमेरिका के इलिनॉय में एक तजुर्बा किया गया। कुछ लोगों को दो हिस्सों में बांटा गया। एक ग्रुप को सिट-अप कसरत करने को कहा गया। दूसरे समूह के लोगों को किसी कसरत की सलाह नहीं दी गई। करीब डेढ़ महीने बाद जब दोनों ग्रुप के लोगों के पेट का माप लिया गया तो दोनों में कोई फर्क नजर नहीं आया। कहने का मतलब ये कि जो लोग उठने-लेटने की कसरत कर रहे थे, उन्हें इससे पेट कम होने का फायदा नहीं हुआ।

सिट-अप का असर नहीं

बहुत से खिलाड़ी सिट-अप करते हैं ताकि उनका शरीर खेल की बुनियादी जरूरतों के हिसाब से ढल सके। लेकिन अमरीका की इंडियाना स्टेट यूनिवर्सिटी के रिसर्च के मुताबिक, इससे खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर कोई असर नहीं पड़ता। कनाडा की वाटरलू यूनिवर्सिटी ने भी सिट-अप्स के बारे में एक रिसर्च की। कई सालों के उनके तजुर्बे पर भरोसा करें तो सिट-अप्स या क्रंचेज से शरीर को नुकसान होने का ज्यादा डर होता है बनिस्बत किसी फायदे के। सुअरों के एक झुंड पर यह तजुर्बा आजमाया गया। उन सुअरों की रीढ़ की हड्डी की पड़ताल की गई जो इंसानों के सिट-अप करने जैसी अंगड़ाई लेकर अपनी रीढ़ को सीधा करती हैं। पाया कि गया कि इससे सुअरों की रीढ़ की हड्डी को काफी नुकसान पहुंचा था। इस रिसर्च के लिए सुअरों को इसलिए चुना गया था क्योंकि उनकी और इंसानों की रीढ़ की हड्डियां में काफी समानता है। हालांकि इस रिसर्च के विरोधियों का कहना है कि इंसान और सुअर में बहुत फर्क है। साथ ही क्रंचिंग करने वाले अक्सर बीच में ब्रेक लेते हैं।

चोटिल होने का जोखिम

अगर आप लगातार सिट-अप्स करते हैं तो आपकी रीढ़ की हड्डी को नुकसान होने की आशंका रहती है। हालांकि रोजाना पंद्रह-बीस सिट-अप करने से बहुत फर्क नहीं पड़ता। फिर भी यह कसरत करते वक्त चोटिल होने का जोखिम तो रहता ही है। अमरीका के फोर्ट ब्रैग्स सैन्य अड्डे पर तैनात सैनिकों के बारे में रिसर्च की गई थी। इसके मुताबिक वहां चोटिल सैनिकों में से 56 फीसदी आर्मी के फिजिकल फिटनेस टेस्ट के दौरान चोटिल हुए थे, इसमें सिट-अप करते हुए लगी चोट भी शामिल थी।

जीन्स से संबंध

वैसे कुछ लोग सिट-अप से पीठ की दिक्कतों का ज्यादा सामना करते हैं। हो सकता है कि हम बरसों तक रोजाना तीस उठने-लेटने वाली कसरत कर सकें। हो सकता है ऐसा न भी कर पाएं। असल में हमें पता ही नहीं होता कि हम किस खांचे में फिट बैठते हैं। अक्सर इसका सीधा संबंध हमारे जीन्स में होता है। कनाडा, फिनलैंड और अमरीका में ट्विन स्पाइन स्टडी हो रही है। इसमें जुड़वां लोगों के कसरत और इससे पीठ को होने वाली तकलीफ पर नजर रखी जा रही है। तजुर्बा करने वालों ने पाया कि चोटिल होने की आशंका का सीधा संबंध, किसी इंसान के जीन से जुड़ा होता है।

कैसे बचें चोट से

क्रंचेज करते वक्त आपकी पीठ चोटिल न हो इसके लिए क्या करना चाहिए। कनाडा के एक विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि ऐसी वर्जिश के वक्त अपने हाथों को अपनी पीठ के नीचे रखना चाहिए। इससे बैलेंस बिगड़ने की सूरत में आपकी पीठ की जमीन से सीधी टक्कर नहीं होगी। आप एक घुटना मोड़िए और दूसरा पैर फैला लीजिए। फिर अपने सिर और कंधों को जमीन से ऊपर उठाइए, इस दौरान अपना सिर इस तरह रखिए जैसे किसी चीज पर टिकाए हुए हों।

पंद्रह से करें शुरुआत

न्यूजीलैंड की ऑकलैंड यूनिवर्सिटी में भी सिट-अप पर रिसर्च हुई है। शोधकर्ता कहते हैं कि कसरत के हर सेशन में आप साठ सिट-अप कर सकते हैं। हालांकि शुरुआत पंद्रह से ही होनी चाहिए। फिर इसे आप थोड़ा-थोड़ा करके बढ़ा सकते हैं। जब हम रात भर लेटे रहते हैं तो हमारी रीढ़ की हड्डी की लंबाई थोड़ी बढ़ जाती है। ऐसे में बेहतर यह होगा कि सुबह उठते ही यह कसरत करने से बचें। यही नहीं दफ्तर की कुर्सी से सीधे उठकर सिट-अप करना भी ठीक नहीं। अपने बदन को थोड़ा रिलैक्स करने दीजिए। फिर करिए सिट अप या क्रंचेज या फिर उठक-बैठक। तब आपको नुकसान होने का डर कम होगा।

सांवले युवाओं के लिए फैशन...

सांवले लोग यह सोचते हैं कि उनकी स्टाइलिंग के विकल्प काफी कम हैं, जो कि बिल्कुल गलत है। सांवले रंग वाले खुश रहें क्योंकि उन्हें अच्छा दिखने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती। फैशन एक ऐसी चीज है जो हमेशा बदलती रहती है। कई लोगों को जानकारी के अभाव के कारण कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। खासकर जब बात सांवले युवाओं की आती है। इस समस्या का हल ढूंढने के लिए नीचे सांवले मर्दों के लिए कुछ नुस्खे दिए गए हैं।

सफेद को ना कहें

सांवले युवाओं को यह पता होना चाहिए कि वे अपने कपड़ों का चुनाव कैसे करें और कौन से रंग के वस्त्र पहनें। सफेद रंग का प्रयोग न करें क्योंकि यह सावले लोगों को असल रंग से भी ज्यादा काला दर्शाता है। कुछ रंग जैसे हल्का हरा और हल्का पीला या नींबू के रंग का पीला सांवले रंग पर काफी अच्छे लगते हैं। इसी तरह हलकी धारियों के साथ पेस्टल रंग भी ऐसी त्वचा पर काफी फबते हैं। कोई भी कपड़ा खरीदने से पहले उसे पहनकर अवश्य देखें।

हलके रंगों का प्रयोग

भले ही सांवले लोगों को चमकदार रंग पसंद हों, लेकिन ध्यान रखें कि काला, नेवी ब्लू और गाढ़ा भूरा रंग उन्हें बेहतरीन लुक से नवाजेगा। अगर वे कहीं घूमने फिरने के लिए कपड़ों का रंग सोच रहे हैं तो नीले या मटमैलेरंग के हलके शेड्स पहनना ना भूलें।

खाकी व वार्म कलर्स से मैच

ऐसा मौका कई बार आता है जब सांवली त्वचा वाले युवा अपनी पहनी हुई पतलून में आराम का अनुभव नहीं करते। अगर आप खाकी पहनना चाहते हैं तो मटमैले या हलके भूरे जैसे रंग चुनें। खाकी के साथ पीले शेड्स के कपड़े पहनें। इससे आप काफी अच्छे लगेंगे।

सांवले लोगों के बालों का रंग

बालों के रंग को बदलकर भी भीड़ से अलग लगा जा सकता है। बालों के सही रंग के चुनाव से वे काफी स्टाइलिश लग सकते हैं। ऐसे कई रंग हैं जो कि सांवले लोगों पर काफी अच्छे लगते हैं। लाल हाईलाइट के साथ सुनहरा भूरा रंग सांवले लोगों पर काफी अच्छा लगता है। चेस्टनट कॉपर तथा महोगनी के रंग भी काफी फबते हैं। फ्लेम रेड भी एक ऐसा रंग है जो कि सांवले लोगों के व्यक्तित्व को काफी निखारता है।

उद्यमिता की राह पर युवा...

सफल उद्यमी वह है जिसे नकारात्मक परिस्थितियों में भी अवसर नजर आए और जो परिस्थितियों के अनुरूप आइडियाज का सृजन कर उसे बाजार में बेच सके। पैर पसारते मशीनीकरण और घटती नौकरियों के इस दौर में उद्यमिता रोजगार का मुख्य विकल्प है।

एक सर्वे के अनुसार 51 प्रतिशत भारतीय स्वरोजगार कर रहे हैं। इनमें एक बड़ा प्रतिशत उद्यमियों का है। अपनी शर्तों पर काम, अधिक मुनाफा और आइडियाज को मूर्त रूप में ढालने की बेहतर संभावना के चलते बड़ी संख्या में प्रोफेशनल डिग्रीधारक उद्यमिता की राह चुन रहे हैं। सरकार भी उभरते एंटरप्रेन्योर्स को बढावा दे रही है और नई-नई योजनाएं ला रही है। आइए नजर डालते हैं इस क्षेत्र में आ रहे बदलावों और संभावनाओं पर।

बदला नजारा

पिछले कुछ सालों में भारत में एंटरप्रेन्योरशिप को लेकर व्यापक बदलाव आए हैं। कंपनियां विकास, विस्तार और प्रतिस्पर्धा को लेकर आपसी संघर्ष कर रही हैं। तकनीक और सूचना क्रांति ने पूरा नजारा ही बदल दिया है। एक प्रमुख उदाहरण है ऑनलाइन शॉपिंग के नए ब्रैंड्स का उभरना और चमकना। हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ने के साथ ही नए उद्यमियों पर दबाव है कि वे किस तरह खुद को बाजार में पहले से मौजूद ब्रैंड्स से बेहतर साबित करें। यह स्थिति जहां ग्राहकों के पक्ष में है, वहीं उद्यमियों के लिए चुनौती भरी है।

एक आइडिया

आज के दौर में वही उद्यमी सफल है जिसके पास न सिर्फ बेहतरीन आइडिया हो बल्कि उसे बाजार में भुनाने की कूवत भी हो। परंपरागत क्षेत्रों में तो पहले से ही बड़े-बड़े दिग्गज ब्रैंड्स जमे हुए हैं। हालांकि उद्यमी बनने के लिए किसी विशेष शैक्षिक योग्यता का होना जरूरी नहीं है, पर किसी बिजनेस स्कूल से एंटरप्रेन्योरशिप की बारीकियां समझाने वाला कोई कोर्स करना अच्छा रहता है। साथ ही रिस्क लेने की क्षमता होना भी बेहद जरूरी है। उद्यम से जुड़ी जानकारी होना एंटरप्रेन्योरियल स्किल्स में इजाफा करता है। साथ ही तकनीकी पक्ष मजबूत होना भी बेहद जरूरी है।

फंडिंग हुई आसान

तीन साल पहले उभरते एंटरप्रेन्योर्स के लिए फंडिंग एक बड़ी समस्या थी और इसका मुख्य स्रोत उधार या लोन होता था, लेकिन अब स्थितियां ऐसी नहीं रहीं। अब उद्यम को लेकर आई सामाजिक और प्रशासनिक जागरूकता ने इंडस्ट्रीज डायनमिक एंटरप्रेन्योरयल ई कोसिस्टम को जन्म दिया है। अब नए उद्यमियों के लिए फंड जुटाने के कई नए तरीके मौजूद हैं। वर्तमान में भारत में इंडस्ट्री प्रमोशन के लिए कई योजनाएं चल रही हैं। इन योजनाओं के तहत विभिन्न औपचारिकताओं को कम किया गया है और इस बात पर जोर दिया गया है कि किस तरह नए उद्यमी एक-दूसरे की मदद करते हुए आगे बढें।

संभावना से भरा क्षेत्र

वर्तमान में भारत में नए एंटरप्रेन्योर्स के लिए असीमित संभावनाएं हैं। विशेष रूप से फार्मास्युटिकल्स, बायोमेडिकल, रीटेल, बैंकिंग एंड फाइनेंस, इंश्योरेंस और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में अवसरों की भरमार है। पिछले कुछ सालों में आया एक अन्य प्रमुख बदलाव है उद्यमिता में स्त्रियों की बढती भागीदारी। स्त्रियों ने उद्यमिता के लगभग हर सेक्टर में अपनी छाप छोड़ी है। मुख्य रूप से रीटेल ट्रेड, होटल, एजुकेशन, इंश्योरेंस और मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में।

कुछ सावधानियां जरूरी

- अपने ब्रैंड का नाम तय करने और उसे रजिस्टर कराने के बाद बिजनेस बैंक अकाउंट खोल लें। अकाउंट का रिकॉर्ड या तो खुद मेंटेन करें या इसके लिए किसी प्रोफेशनल को हायर कर लें। साल के अंत में अपना फाइनेंशियल स्टेटमेंट तैयार करें। बिजनेस में खर्च हुए एक-एक पैसे का हिसाब आपके पास होना चाहिए।
- आज के प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में आपको अपने ग्राहकों को पेमेंट के कई विकल्प उपलब्ध कराने होंगे। कैश पेमेंट ऑन डिलिवरी, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग जैसे विकल्प शामिल करें। उद्यमियों के लिए क्रेडिट कार्ड मर्चेंट अकाउंट खोल लेना अच्छा रहता है।
- छोटे से छोटे उद्यमी को भी पेमेंट टर्म्स पॉलिसी की व्यवस्था बनानी चाहिए। पेमेंट का समय निश्चित होना चाहिए लेकिन इसका तरीका ग्राहकों की सुविधा के हिसाब से लचीला होना चाहिए। किसी तरह की कन्फ्यूजन से बचने और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए यह बेहद जरूरी है।
- सर्विस आधारित बिजनेस करने वालों को सर्विस उपलब्ध कराने से पहले अपने क्लाइंट से एक निश्चित राशि जमा करा लेनी चाहिए, विशेष रूप से उस स्थिति में जब इसे उपलब्ध कराने के लिए आपको अपनी जेब से पैसा लगाना हो। यह राशि कम से कम आपकी लागत के बराबर होनी चाहिए। यह जानकारी आपके ऑर्डर फॉर्म या कॉन्ट्रैक्ट में साफ-साफ दी होनी चाहिए।

यह करें

- अपने क्षेत्र से जुड़े खास लोगों से संपर्क में रहें और अपना नेटवर्क बनाएं। व्यवस्थित रहें।
- क्राइसिस को अवसर में परिवर्तित करने की कला सीखें।
- गहन ऑब्जर्वेशन की आदत डालें।
- बिजनेस की दुनिया में हो रहे बदलावों से वकिफ रहें।

यह न करें

- ग्राहकों के सामने कभी खुद को बढ़ा-चढ़ा कर पेश न करें। उम्मीदों पर खरा न उतरने से आपकी साख मिट्टी में मिल जाएगी।
- अपने प्रोडक्ट या सर्विस की डिलिवरी हमेशा समय पर करें।
- आज के ग्राहक जागरूक हैं। उन्हें कभी भी कम न आंकें। भ्रमित करने की कोशिश तो कतई न करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**